मुक्त बेसिक शिक्षा
स्तर-ग (कक्षा-7)
सिंधी

C 130

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्
NIOS
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62
नोएडा-201309 (उत्तर प्रदेश)
वेबसाइट : www.nios.ac.in | टॉल फ्री नं. : 18001809393

एनआईओएस वाटरमार्क 70 जीएसएम पेपर पर मुद्रित।

© राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

जनवरी 2025 (..... प्रतियाँ)

सचिव, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, ए–24–25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर–62, नोएडा–201309 द्वारा प्रकाशित एवं मैसर्स ..... द्वारा मुद्रित।

सलाहकार-समिति

प्रो. पंकज अरोड़ा
अध्यक्ष
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

डॉ. राजीव कुमार सिंह
निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

पाठ्यक्रम-समिति

प्रो. (डॉ.) हासो दादलाणी
प्राचार्य एवं अध्यक्ष (सेवानिवृत)
कॉलेज शिक्षा विभाग
अजमेर (राजस्थान)

प्रो. (डॉ.) रवि प्रकाश टेकचंदाणी
निदेशक
राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद
दिल्ली

डॉ. हूंदराज बलवाणी
अकादमिक सचिव
गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक
बोर्ड, गांधीनगर (गुजरात)

डॉ. चंद्र प्रकाश दादलाणी
सहायक प्रोफेसर
सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय
महाविद्यालय
अजमेर (राजस्थान)

श्री अशोक के. मुक्ता
अध्यक्ष
सिंधी पाठ्य पुस्तक समिति
बाल भारती,
पुणे (महाराष्ट्र)

श्रीमती कांता मथराणी
प्राचार्य
राजकीय मॉडल बालिका
उच्च माध्यमिक विद्यालय
सुंदर विलास, अजमेर (राजस्थान)

श्री एम. वी. भीमाणी
अध्यापक (सेवानिवृत)
सरकारी कन्याशाला
ऊना (गुजरात)

श्री विजय राजकुमार मंगलाणी
प्रधानाध्यापक
आर. एस. आदर्श हाई स्कूल
भूसावल (महाराष्ट्र)

श्रीमती हीना सामनाणी
वरिष्ठ अध्यापिका
सरकारी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक
विद्यालय
जयपुर (राजस्थान)

डॉ. तमन्ना लालवाणी
सहायक प्रोफेसर
महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय,
बड़ौदा (गुजरात)

डॉ. राजीव कुमार सिंह
निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

श्रीमती मीना शर्मा
सलाहकार (सिंधी भाषा)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

संपादक-मंडल

प्रो. (डॉ.) हासो दादलाणी
प्राचार्य एवं अध्यक्ष (सेवानिवृत)
कॉलेज शिक्षा विभाग,
अजमेर (राजस्थान)

प्रो. (डॉ.) रवि प्रकाश टेकचंदाणी
निदेशक
राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, दिल्ली

डॉ. हूंदराज बलवाणी
अकादमिक सचिव
गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक बोर्ड, गांधीनगर (गुजरात)

डॉ. चंद्र प्रकाश दादलाणी
सहायक प्रोफेसर
सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर (राजस्थान)

श्री अशोक के. मुक्ता
अध्यक्ष
सिंधी पाठ्य पुस्तक समिति
बाल भारती, पुणे (महाराष्ट्र)

श्री एम. वी. भीमाणी
अध्यापक (सेवानिवृत)
सरकारी कन्याशाला,
ऊना (गुजरात)

श्री विजय राजकुमार मंगलाणी
प्रधानाध्यापक
आर. एस. आदर्श हाई स्कूल
भूसावल (महाराष्ट्र)

श्रीमती इंद्रा टेकचंदाणी
अध्यापिका
साधू वासवानी इंटरनेशनल स्कूल फॉर गर्ल्स, दिल्ली

डॉ. रमेश एस. लाल
सचिव
सिंधी अकादमी, दिल्ली

डॉ. तमन्ना लालवाणी
सहायक प्रोफेसर
महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा (गुजरात)

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

श्रीमती मीना शर्मा
सलाहकार (सिंधी भाषा)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

पाठ लेखक

प्रो. (डॉ.) हासो दादलाणी
प्राचार्य एवं अध्यक्ष (सेवानिवृत)
कॉलेज शिक्षा विभाग,
अजमेर (राजस्थान)

श्री इन्द्रकुमार जेठाणी
सहायक अध्यापक (सेवानिवृत)
जलगांव (महाराष्ट्र)

डॉ. जया जादवाणी
लेखक
रायपुर (छत्तीसगढ़)

डॉ. रीना सीरवाणी
सहायक निदेशक
एन.सी.पी.एस.एल.
नई दिल्ली

डॉ. जेठो लालवाणी
पूर्व निदेशक (एन.सी.पी.एस.एल.)
अहमदाबाद (गुजरात)

डॉ. लक्ष्मण टी. चांदवाणी
सहायक प्रोफ़ेसर
आर. के. तलरेजा कॉलेज
उल्हासनगर (महाराष्ट्र)

श्रीमती कांता मथराणी
प्राचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,
आकोदिया, श्रीनगर, अजमेर (राज.)

डॉ. सविता खुराना
उप प्रधानाचार्या
महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय
बोराज, अजमेर

श्री अशोक एम. मुक्ता
अध्यक्ष
सिंधी पाठ्य पुस्तक समिति
बाल भारती, पुणे (महाराष्ट्र)

डॉ. रमेश आडवाणी
अध्यापक (सेवानिवृत)
अहमदाबाद (गुजरात)

डॉ. तमन्ना लालवाणी
सहायक प्रोफेसर
महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय,
बड़ौदा (गुजरात)

श्रीमती मीना शर्मा
सलाहकार (सिंधी भाषा)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

पाठ्यक्रम-समन्वयकर्ता

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

श्रीमती मीना शर्मा
सलाहकार (सिंधी भाषा)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

रेखाचित्रांकन

श्री प्रभाकर जोशी
दिल्ली

डी.टी.पी. कार्य

आशा प्रिन्टर्स
हाथी भाटा, अजमेर (राजस्थान)

शिक्षा मंत्रालय द्वारा समर्थित एवं एन.सी.पी.एस.एल. की योजना के अन्तर्गत विकसित

फ़हिरिस्त

नंबर	सबक़ जो नालो	सिन्फ़	मूल भाव	सुफ़्हो
1.	सेवा	कवीता	इंसानी मुल्हि	1-8
2.	नेक अंदेशी	कहाणी	नेकी	9-15
3.	नीरज जी कामियाबी	जीवन चरित्र	रांदियूं	16-22
4.	जीअणु छा जे वास्ते	कवीता	परोपकार	23-29
5.	प्रजापति	कहाणी	राज़धर्म	30-39
6.	अंध श्रद्धा	गुफ़्तगू	समाज जाग़्रता	40-49
7.	जोकर	मज़्मून	जीअण जी कला	50-56
8.	शहीद प्रेम रामचंदाणी	कवीता	देश प्रेम	57-64
9.	टे नंढियूं आखाणियूं	कहाणी	समानता, स्वाभिमान	65-73
10.	ख़तु	ख़तु	साहित्य	74-82
11.	इष्टदेव झूलेलाल	जीवन चरित्र	धार्मिक	83-90
12.	कंहिंजो आवाज़ आ	कवीता	प्रकृति प्रेम	91-96
13.	ग्लोबल वार्मिंग	मज़्मून	पर्यावरण जाग़्रता	97-104

1 सेवा

असांजी सभ्यता ऐं संस्कृतीअ जे विकास जे शुरूआती दौर ते नज़र विझण सां ख़बर पवे थी त सेवा जो भाव प्राचीन काल खां ई इंसानी सुभाव ऐं हलति चलति जो ज़रूरी अंगु रहियो आहे।

अलॻ अलॻ वक़्तनि ते असांजे वॾनि असां में इंसानियत जा ॿिज विझण लाइ पंहिंजियुनि सिखियाउनि ऐं कोशिशुनि ज़रीए असां खे सेवा भाव सां रोशनास करायो आहे।

निःस्वार्थ कर्तव्य रूपी सेवा भावना लाइ गीता में बि ॿुधायो वियो आहे। उहा सेवा असां खे कंहिं बि फल जी इच्छा रखण खां सवाइ करिणी आहे।

सिखण जा नतीजा

हीअ कवीता पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- माता पिता जी सची सेवा ऐं ग़रीबनि जी सेवा में सच्चो सुखु ऐं आनंद मिले थो, इहो समुझनि था ऐं माता पिता ऐं वॾिड़नि जी सेवा कनि था;
- 'जनता में आहे जनार्दन या आम में आहे ईश्वर ऐं प्रजा में आहे परमेश्वर', इन जे बारे में पंहिंजनि वॾिड़नि खां पुछनि था;
- सरसरी तौर कंहिं दर्सी मवाद खे पढ़ी, उन जी अहमियत जे बारे में ॿुधाइनि या सुवाल पुछनि था।

1.1 बुनियादी सबक़ु

वड़ुनि जी जो सेवा सदाईं करे थो,
उहो झोल पंहिंजा ख़ुशियुनि सां भरे थो।

(1)

सच्ची सेवा पहिरीं आ माता पिता जी,
करे जो, सो संसार सागर तरे थो।

(2)

बी उस्ताद जी आहि सेवा सजाई,
उन्हीअ सां अज्ञानीअ जो मन भी ठरे थो।

(3)

टीं जनता जी निष्काम सेवा आ सफली,
रहे सो न भग़वान खां पल परे थो।

(4)

करे 'प्रेम' जा दिल सज़ी उमिरि सेवा,
सदा सुख जो तंहिं दिल में दीपक ब़रे थो।

– लखमीचंद 'प्रेम'

1.2 अचो त समुझूं

शास्त्रनि में लिखियल आहे त : जिनि माता पिता, गुरूअ ऐं समाज जी सेवा कई, उनजो सभिनी लोकनि में आदर थिए थो। उहे भाग़ वारा आहिनि। उन्हनि जो जीवन सफल थिए थो।

असीं इंसान आहियूं। असांजो जीवन तड़ुहिं सफलो आहे, जड़ुहिं असीं फ़क़ति पंहिंजे लाइ न जीऊं, पर ब़ियनि लाइ बि जीऊं।

हिन बैत में कवी चवे थो त जेको वड़ुनि जी सेवा करे थो, उन जा झोल ख़ुशियुनि सां भरिजी वञनि था। कवी इहो संदेश ड़ियणु चाहे थो त असांजा वड़ा सदाईं इज़्त ऐं सेवा जा सचा हक़्दार आहिनि।

कवी चवे थो त जेको पंहिंजे माता पिता जी सची सेवा करे थो, उहो हिन संसार रूपी सागर मां तरी पार पवे थो। शाइरु समुझाए थो त माता पिता भग़वान जा रूप आहिनि, जिनि असांखे जनमु ड़िनो आहे। संदनि सेवा करण जो मतलब आहे भग़वान जी पूज़ा करणु। माता पिता जी आसीस सां ई इंसान तरक़्की करे सघे थो।

शाइरु चवे थो त उस्ताद जी सेवा बि तमाम अहमियत भरी आहे। उस्तादु जेको अज्ञानीअ खे ज्ञान ड़िए थो, उन ज्ञान जे करे शागिर्द जे मन खे हिक अलग़ ई ख़ुशी हासिल थिए थी। कवी माता पिता जी सेवा खां सवाइ गुरूअ जी महिमा बि ग़ाए थो। गुरू असांखे अज्ञान जी ऊंदहि खां ज्ञान जी रोशनीअ में वठी वञे थो। ज्ञान जा भंडार भरे इंसान खे परिपूर्ण बणाइण जी कोशिश करे थो।

माता पिता जी सेवा, गुरूअ जी सेवा अहमियत वारी आहे ई, कवी जनता जे सेवा भाव खे बि अहमु समुझे थो। कवीअ जे चवण मूजिबु जेको जनता जी निष्काम सेवा में लग़लु आहे, उहो भग़वान खां हिकु पल बि परे नथो रहे। कवी इन्हनि सिटुनि में गहरो मतलब समुझाइणु चाहे थो। जनता जी सेवा जो मतलब छा आहे? ग़रीबनि जी सेवा करणु, अपाहिजनि जो ध्यान रखणु, नियाणियुनि जी परघोर लहणु। जेतिरो मुमकिन थिए, पंहिंजे सरीर ज़रीए वधि में वधि ब़ियनि जी भलाईअ जा कम करण घुरिजनि।

आख़िरीनि सिटुनि में शाइरु दिल सां सेवा करण बाबत ज़ोरु भरे थो। कवी चवे थो त सची दिल सां सेवा करण घुरिजे, तड़हिं ई असांजी दिल में सुख जो ड़ीओ ब़रंदो।

अहिड़े नमूने कवीअ सेवाउनि जा जुदा जुदा किस्म समुझाए, इंसान ज़ात जी सेवा जो संदेश ड़िनो आहे।

सबक़ बाबत सुवाल 1.1

1. ख़ाल भरियो :

(i) उहो झोल पंहिंजा ..... सां भरे थो।

(ii) ..... सेवा पहिरीं आ माता पिता जी।

(iii) उन्हीअ सां ..... जो मन भी ठरे थो।

(iv) टीं जनता जी निष्काम सेवा आ .....।

(v) सदा सुख जो तंहिं दिल में ..... बुरे थो।

2. हेठियनि जा ज़िद लिखो :

(i) सची

(ii) वड्डा

(iii) अज्ञानी

(iv) सफली

(v) बुरणु

(iv) खुशी

3. सही (✓) या ग़लत (✗) जा निशान लगायो :

(i) उहो झोल पंहिंजा ख़्वाबनि सां भरे थो। ( )

(ii) करे जो, सो संसार नदी तरे थो ( )

(iii) उन्हीअ सां अज्ञानीअ जो मन भी ठरे थो। ( )

(iv) रहे सो न माइटनि खां पल परे थो। ( )

(v) सदा सुख जो तंहिं दिल में दीपक बुरे थो। ( )

4. 'अ' ऐं 'ब' मां कवीता जे आधार ते जोड़ा मिलायो :

'अ'		'ब'	
(i)	उहो झोल पंहिंजा	(अ)	दिल में दीपक बुरे थो।
(ii)	करे जो, सो	(ब)	ख़ुशियुनि सां भरे थो।
(iii)	उन्हीअ सां अज्ञानीअ जो	(स)	खां पल परे थो।
(iv)	रहे सो न भगुवान	(द)	मन भी ठरे थो।
(v)	सदा सुख जो तंहिं	(य)	संसार सागर तरे थो।

मशिग़ूलियूं 1.1

(1) 'सेवा' कवीता जो भावार्थ समुझी, बिए कंहिं शाइर जी कवीता सां भेट करे पंहिंजो रायो ज़ाहिर करियो।

(2) तव्हांजे आसपास रहंदड़ सेवाभावी माण्हुनि तरफ़ां थींदड़ सेवा जे कमनि खे डिसो ऐं उन्हनि सां गाल्हि बोल्हि करियो।

तव्हीं छा सिखिया

- सेवा करण सां मन जी ख़ुशी हासिल थिए थी।
- माउ पीउ, उस्ताद ऐं आम माण्हुनि जी सेवा करण सां सचो सुख मिले थो।
- सची दिल सां कयल सेवा जो फलु ज़रूर मिले थो।

वधीक ॼाण

हरहिक खे माउ पीउ ऐं गुरूअ जे चरणनि में झुकणु घुरिजे ऐं संदनि सेवा करण खपे। दुनिया में सची सेवा करण वारा मरण पुॼाणां बि ज़िंदह हूंदा आहिनि।

असांजे देश जे समाज सुधारकनि स्वामी विवेकानंद, राजा राम मोहन राय, ज्योतीबा फुले, महात्मा गांधी, भीमराव अम्बेडकर ऐं मदर टेरेसा जहिड़नि महापुरुषनि पंहिंजो सॼो जीवन समाज कल्याण में लॻाए छॾियो।

सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

(i) वॾनि जी सेवा करण सां छा थिए थो?

(ii) संसार सागर में केरु तरे थो?

(iii) अज्ञानीअ जो मनु कंहिंजी सेवा करण सां ठरे थो?

(iv) भॻवान खां केरु पल भरि बि परे नथो रहे?

(v) सदा सुख जो दीपक कंहिंजे दिल में ॿरे थो?

2. हिन कवीता में कहिड़े कहिड़े किस्म जी सेवा जो ज़िकिरु कयो वियो आहे?

3. हेठियां लफ़्ज़ कमि आणे जुमिला ठाहियो :

(i) सार संभाल	(ii) जनता	(iii) सेवा
(iv) झोल	(v) निष्काम	(iv) अज्ञानी

4. सेवा खां सवाइ असां में बिया कहिड़ा गुण हुअणु घुरिजनि?

5. हेठियनि जुमिलनि मां हर्फ़ जर सुञाणे लिखो :

(i) मुंहिंजो भाउ काल्ह अमेरिका मां आयो।

(ii) मां बाज़ार ॾांहुं वञां थो।

(iii) अजु काल्ह मोबाईल में आर्टीफ़ीशियल इंटेलीजंस जो इस्तेमाल थी रहियो आहे।

(iv) असां खे ब्रियनि जी मदद करणु घुरिजे।

(v) मुंहिंजे घर अगियां शिव जो मंदिर आहे।

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) ख़ुशियुनि (ii) सची (iii) अज्ञानी

   (iv) सफली (v) दीपक

2. (i) कूड़ी (ii) नंढनि (iii) ज्ञानी

   (iv) सफल (v) ठरणु (iv) ग़म

3. सही ऐं ग़लत जा निशान :

   (i) ✓ (ii) × (iii) ✓

   (iv) × (v) ✓

4. (i) (अ)

   (ii) (य)

   (iii) (द)

   (iv) (स)

   (v) (ब)

नवां लफ़्ज़

- सेवा = टहल, ख़िदमत
- झोल = पांदु, पलउ

- अज्ञानी = अणज़ाणु, बिना ज्ञान वारो
- ठरे = थधो थिए, शांत थिए
- निष्काम = नि:स्वार्थ, बिना लालच

2

नेक अंदेशी

हिन सबक़ में बुधायल आहे त नेक अंदेशी याने सुठो ऐं उमदो वीचारणु हिकु वड्डो गुण आहे। सुठो सोचिबो त उनजो फल बि सुठो निकिरंदो आहे। हिक ग़फ़लत करे बिए खे नुकसान थी सघे थो ऐं इंसान जी हिक सुजागीअ कारण केतिरनि माण्हुनि जो भलो थी सघे थो। सुठनि कमनि करण सां असांखे दुआऊं पिण मिलनि थियूं।

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- सुठा लछण सिखी पंहिंजे पाड़े / स्कूल वग़ैरह खे साफ़ सुथिरो रखण में मदद कनि था;
- अलग अलग किस्मनि जूं रचनाऊं पढ़ी, ज़बानी ऐं लिखियल रूप में इज़हार कनि था;
- पढ़ियल सामग्रीअ ते चिंतन कंदे बहितर समुझ जे लाइ सुवाल पुछनि था ऐं दोस्तनि सां बहस कनि था।

2.1 बुनियादी सबक़ु

हिकु पीर मर्द हूंदो हो। अहिड़ो नेक अंदेशी हूंदो हो, जो घिटीअ या रस्ते ते को शीशो या कंडो डिसंदो हो त पासीरो करे छडींदो हो त मतां कंहिं बार बचे, फ़कीर फुकिरे या वाटहडूअ खे लगे। ही कहिड़ो न चङो गुण आहे। असां खे बि अहिड़ा गुण पिराइणु घुरिजनि। स्कूलनि में ऐं घरनि में हर नंढे वड्डे खे इहा हिदायत डियणु खपे त रस्ते में जिते बि किचिरो डिसनि त उन खे उतां खणी, किचिरे जे दबे में विझनि।

हिकु राजा हूंदो हो। चमड़ापोश करे पंहिंजी राजधानी घुमंदो हो। अक्सर इहा ई दांहं बुधंदो हो त मुल्क जो हालु कोन्हे, प्रजा दुखी थी गुज़ारे। हिक भेरे छा कयाईं, जो महलात वटां शाही रस्तो हो, तंहिं जे विच में पथर खणी रखियाईं ऐं पाण माड़ीअ जे विरांडे में अहिड़े हंधि विहंदो हो, जो वाटहड़ू खेसि न डिसनि, पर पाण खेनि डिसी सघे। जेको पियो लंघे, सो दांहं कंदो पियो वजे। चे- कहिड़े मुसीबत पिए ही पथर रखियो आहे। किनि जा पेर झुरंदा हुआ, किनि खे थाबो ईंदो हो, कंहिं जी गाड़ीअ खे ज़रिब रसंदी हुई। ढगे गाड़ियुनि वारा रस्ते जी तंगीअ सबब गाड़ीअ जे चाक खे कसीअ में किरणु डींदा हुआ, पर कंहिं खे बि एतिरी साञहि नथे पेई जो कंहिं खां बि एतिरी तकलीफ़ न थी पुजे, जो खणी पथर परे करे। हरिको कुरिके किंझे ऐं पिट वसाए।

आख़िर राजा इहो रंगु डिसी हुकुम कयो त शहर जा माण्हू सुभाणे सुबूह जो डहें वगे महिलात वटि हाज़िर थियनि। जडहिं सभु अची मिड़िया, तडहिं राजा घोड़े ते सुवार थी आयो ऐं खेनि चयाईं त मूं माण्हुनि जूं दांहूं बुधियूं आहिनि। चए- असांजो हालु अबालो ऐं दुखी आहे, इन जो कारण अव्हीं पाण आहियो। डिसो, अव्हीं कहिड़ा न आपस्वार्थी, खुदिग़र्ज़ ऐं बेपरवाह आहियो! ही पथर विच रस्ते ते केतिरनि डींहंनि खां पियो आहे। हेतिरा माण्हू लंघिया आहिनि, ठोकरूं थाबा ऐं धिका खाधा अथनि पर कंहिं खे बि इहो ख़्याल न आयो जो पथर खे खणी परे करे। इन्हीअ बदिरां कुरि कुरि ऐं पिट पिए वसाई अथव।

पोइ राजा खेनि शर्मिंदे करण लाइ पाण घोड़े तां लही, पंहिंजनि मुबारक हथनि सां उहो पथर परे कयो, जो एतिरो गरो बि कीन हो। पथर परे थियो त हेठां हिक

मुहिरुनि जी पेती निकिरी आई, जा राजा उते रखाए छड्डी हुई। तड़हिं हरिको हथ खणी चवण लगो त अड़े! मूं छोन थे उहो पथर खणी पासीरो कयो! – परमानंद मेवाराम

2.2 अचो त समुझूं

नेक अंदेशी हिकु वड़ो गुण आहे। असांजी हिक नंढी ग़लतीअ सां बिए खे नुक़सान थी सघे थो। जेकड़हिं हरहिकु इंसान सुजाग थी वञे त केतिरनि ई माण्हुनि जो भलो थी सघे थो। असांखे रस्तनि या घिटियुनि में गंदु किचिरो न उछिलाइणु खपे। सफ़ाईअ जो ध्यान करण खपे। घर जी, घिटियुनि ऐं पाड़े कालोनीअ जी सफ़ाई रखण सां बीमारियूं फहिलिजण जो अंदेशो न रहंदो। साफ़ सफ़ाईअ वारे वातावरण सां निरोगी काया रहंदी। अजु कल्ह गांधी जयंती 2 आक्टबोर ते सजे देश में सफ़ाईअ जी मुहिम हलाई वञे थी, जंहिं में हरहिकु देशवासी घरु, कालोनी, दुकान, आफ़ीसूं, स्कूलनि ऐं कालेजनि में सफ़ाई रखनि था।

सबक़ बाबत सुवाल 2.1

1. ब्रेकेट में डिनल लफ़्ज़नि जी मदद सां ख़ाल भरियो :

(पथर, पीर मर्द, मुहिरुनि, हथनि)

(i) हिकु ..... हूंदो हो।

(ii) कंहिं खे बि एतिरी साञहि नथी पवे, जो कंहिं खां बि एतिरी तकलीफ़ नथी पुजे, जो खणी ..... परे करे।

(iii) राजा पाण घोड़े तां लही, पंहिंजनि मुबारक ..... सां उहो पथर परे कयो।

(iv) पथर परे थियो त हेठां हिक ..... जी पेती निकिरी आई।

2. सही (✓) या ग़लत (×) जा निशान लगायो :

(i) हिकु पीर मर्द डाढो नेक अंदेशी हूंदो हो। ( )

(ii) अंबनि जी मुंद में अंबनि जूं खलूं बि जिते किथे पियल नज़र ईंदियूं आहिनि।

( )

(iii) अक्सर राजा इहा ई दांहं बुधंदो हो त मुल्क जो हालु कोन्हे, प्रजा सुखी थी गुज़ारे।

( )

(iv) पथर परे थियो त हेठां हिक गुलनि जी टोकरी निकिती हुई। ( )

मश्गूलियूं 2.1

(1) तव्हां कहिड़ा कहिड़ा सुठा कम कंदा आहियो? उन बाबत पंज जुमिला लिखो।

(2) माण्हुनि में कहिड़ा कहिड़ा सुठा गुण थींदा आहिनि? के बि पंज गुण लिखो।

तव्हीं छा सिखिया

- नेक अंदेशी हिकु सुठो गुण आहे।
- सभिनी खे सुठो सोचण खपे, उनजा नतीजा सुठा निकिरंदा आहिनि।
- हिक जी ग़लफ़त सां बिए खे नुकसान थी सघे थो।
- सुठनि कमनि करण सां दुआऊं मिलनि थियूं।

वधीक जाण

इंसान खे जीवन में सिर्फ़ पंहिंजो सुख, पंहिंजो फ़ाइदो न डिसणु घुरिजे। इंसानियत जो धर्मु इहो आहे त बिए जो ख़ैरु, पंहिंजो ख़ैरु, इहा भावना हुअणु ज़रूरी आहे। बेवसि शाइर जी शाइरी आहे–

करि दुनिया में दिल वडेरी, तूं बि रहु मां बि रहां,
आणि मन वृतीअ में फेरी, तूं बि रहु मां बि रहां।

सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

   (i) पीर मर्द में कहिड़ो गुण हो?

   (ii) राजा अक्सर कहिड़ी दांहं बुधंदो हो?

   (iii) मुल्क जो बुरो हाल डि़सी राजा छा हुकुम कयो?

   (iv) राजा माण्हुनि खे महलात में छा चयो?

   (v) राजा खेनि शर्मिंदो करण लाइ छा कयो?

2. ज़िद लिखो :

   (i) नुक़सान (ii) भलो

   (iii) दुआ (iv) परवाह

3. हेठियां लफ़्ज़ कमि आणे जुमिला ठाहियो :

   (i) पीर मर्द (ii) महल

   (iii) राजा (iv) रस्तो

4. साग़िए आवाज़ वारनि लफ़्ज़नि जा जोड़ा मिलायो :

(i) सुठनि	(अ) बुधंदो
(ii) राजा	(ब) मथां
(iii) घुमंदो	(स) कमनि
(iv) हेठां	(द) प्रजा

5. सबक़ मां गोल्हे हिक लफ़्ज़ में जवाब डि़यो :

   (i) हिकु फल – .....

   (ii) हिकु गुण – .....

   (iii) हिकु जानवर – .....

6. तस्वीर ड़िसी जोड़ा मिलायो :

(i) राजा

(ii) अंबु

(iii) घोड़ो

(iv) महल

7. ब्रेकेट मां सही जवाब चूंडे ख़ाल भरियो :

(i) जीअं शहर वञे ..... तीअं माण्हुनि खे बि सुधिरण घुरिजे।

(सुधिरंदो / बिगड़ंदो)

(ii) घरनि ऐं स्कूलनि में हरकंहिं नंढे वड़े खे इहा हिदायत ड़ियणु खपे त खलूं ..... उछिलाईनि। (विच में / पासीरियूं)

(iii) अड़े, मूं छो नथे इहो ..... खणी पासीरो कयो। (गुल / पथर)

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) पीर मर्द (ii) पथर

(iii) हथनि (iv) मुहिर

2. (i) ✓ (ii) ✓

(iii) × (iv) ×

नवां लफ़्ज़

- वाटहड़ूं = राहगीर
- थाब़ो = ठोकर
- पीर मर्द = बुढो
- दांहूं = शिकायतूं

3

नीरज जी कामियाबी

उदमु ऐं चाहु कामियाबीअ जी कुंजी आहे। उदम ऐं चाह सां ई राह आसान बणिजे थी ऐं मंज़िल हासिल थिए थी। कोशिश कंदड़ जी कड़हिं बि हार न थींदी आहे। हिक सबक़ में नीरज चोपड़ा जो ज़िकिरु कयल आहे, जंहिं महिनत ऐं चाह सां ओलम्पिक रांदियुनि में सोनो बि़लो खटी न सिर्फ़ पंहिंजे राज्य ऐं देश जो ग़ाटु ऊचो कयो, पर पंहिंजो सितारो बि बुलंद कयो। 'जिते चाह, उते राह।'

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- पढ़ियल सामग्रीअ ते चिंतन कंदे बहितर समुझ लाइ सुवाल पुछनि था;
- सरसरी तौर कंहिं दर्सी मवाद खे पढ़ी, उन जी अहमियत जे बारे में बुधाइनि था;
- रांदियुनि जी अहमियत समुझी, अलग़ अलग़ रांदियुनि में दिलचस्पी डे़खारींदे उन्हनि में बहिरो वठनि था।

3.1 बुनियादी सबक़ु

7 आगस्ट 2021 ई. ते भारत जो राष्ट्र गीत 'जन गण मन....' जपान मां टोकियो ओलम्पिक 2020 ई. में गूंजी रहियो हो। नंढे मंच ते बि़यनि बि़नि रांदीगरनि सां गड़ु पहिरीं जाइ ते बीठो हो भारत जो रांदीगर नीरज चोपड़ा। नीरज कुझु वक़्तु अगु भालो उछिलाइण वारी रांदि में गोल्ड मेडल खटी इतिहास रचियो हो।

नीरज चोपड़ा जो जनमु 24 डिसम्बर 1997 ई. ते हरियाणा राज्य जे खंडरा में थियो। नीरज खे नंढपिण खां ई रांदियुनि में शौकु हो। नीरज उन वक़्ति थुल्हो हो। हिक दफ़े नीरज पानीपत जे शिवाजी स्टेडियम ते फिटनेस सुधारण लाइ वियो हो। उते हुन कुझु रांदीगरनि खे भालो उछिलाईंदे डि॒ठो। उतां खां खेसि भालो उछिलाइण जो चाहु पैदा थियो।

भालो या नेजो उछिलाइणु हिक ट्रेक एंड फील्ड रांदि आहे। ट्रेक रांदियुनि में डोड़ण, टपा डि॒यण जा अलग॒ अलग॒ किस्म ऐं फील्ड रांदियुनि में भालो, गोलो उछिलाइण जहिड़ियूं रांदियूं शामिल आहिनि। इन्हीअ रांदि में धातूअ जो हिकु पोरो भालो उछिलायो वेंदो आहे, जंहिं खे अगि॒यां चुहिंब हूंदी आहे।

भालो उछिलाइणु तड॒हिं सही मञियो वेंदो आहे, जड॒हिं उहो तय थियल क्लास दायरे में चुहिंब वटां किरे। इन्हीअ चटाभेटीअ में रवाजी तरह 3 खां 6 मौक़ा हूंदा आहिनि। उन्हनि मां हिक मौक़े में, वधि में वधि परे उछिलायल भाले खे खटियल ज़ाहिर कयो वेंदो आहे।

2016 साल जे रियो डि जनेरियो ओलम्पिक लाइ नीरज क़ाबिल न बणिजी सघियो हो। उन ओलम्पिक में उन रांदि लाइ क़ाबिलियत जो दर्जो 83 मीटर हो। जड॒हिं त नीरज क़ाबिलियत दूरीअ में 82.83 मीटर भालो उछिलायो। क़िस्मत डि॒सो शागिर्द वर्ल्ड अंडर 20 चटाभेटीअ में नीरज 86.48 मीटर भालो उछिलाए जूनियर वर्ल्ड रिकार्ड क़ाइमु कयो।

साल 2022 ई. ताईं फ़क़ति बि॒नि भारतवासियुनि ओलम्पिक में शख़्सी गोल्ड मेडल हासिल कयो आहे, जिनि में हिकु नीरज चोपड़ा आहे। पंहिंजे पहिरिएं ओलम्पिक में गोल्ड मेडल खटण वारो नीरज पहिरियों भारतवासी आहे। ही उहो सुपनो हो, जेको पूरो करण में मिल्खा सिंह ऐं पी. टी. ऊषा थोरे तां रहिजी विया हुआ।

हालांकि टोकियो ओलम्पिक लाइ नीरज मज़बूत दावेदार न हो। हुन जी वड॒े में वड॒ी ललकार हुई जर्मन रांदीगर जोहानज़ वेटर। जोहानज़ चयो हो, नीरज खे मेडल खटण लाइ हुन सां मुक़ाबिलो करिणो पवंदो, जेको नीरज लाइ डु॒खियो थींदो। नीरज चोपड़ा उन वक़्ति शांत रहियो।

मेडल खटण खां पोइ नीरज चयो, ओलम्पिक्स में वर्ल्ड रैंकिग अहम न आहे। अहम इहो आहे त उहो कंहिंजो डींहुं आहे, केरु उन डींहुं बहितरीनि पेशकश करे थो। नीरज इतिहास बणायो ऐं भारत जी एथलेटिक्स खे नएं युग में आंदो। हुन भारतवासियुनि में विश्वास पैदा कयो त भारतवासी सभिनी रंडकुनि खे पार करे, चोटीअ ते पहुची सघनि था।

3.2 अचो त समुझूं

दुनिया में केतिरियुनि ई क़िस्मनि जूं रांदियुनि जूं चटाभेटियूं थियनि थियूं, तिनि में ओलम्पिक रांदियूं वधीक अहमियत रखनि थियूं।

ओलम्पिक रांदियुनि जी शुरूआति यूनान जे एथेंस मां ईस्वी सन् खां 776 साल अगु ओलम्पिया पहाड़नि जी माथिरीअ खां शुरू थी। उतां जा माण्हू पंहिंजे वड़े में वड़े देवता 'ज़्यूस' खे ख़ुशि करण लाइ ई रांदियूं कंदा हुआ। जंहिं तां हिननि रांदियुनि जो नालो ओलम्पिक्स पियो।

हिननि रांदियुनि जो आयोजन हर चोथें साल दुनिया जे जुदा जुदा देशनि में कयो वेंदो आहे। रांदियुनि में खटंदड़नि खे टिनि क़िस्मनि जा इनाम डिना वेंदा आहिनि। पहिरियों इनामु गोल्ड मेडल, बियों इनामु सिल्वर मेडल, टियों इनामु ब्रांज़ मेडल। हक़ीक़त त इहा आहे, दस्तूरी नमूने जदीद ओलम्पिक रांदियूं सन् 1896 ई. खां शुरू थियूं। उन वक़्ति ओलम्पिक में फ़क़ति 13 मुल्कनि बहिरो वरितो ऐं फ़क़ति 43 रांदियुनि जा क़िस्म हुआ। नीरज चोपड़ा पहिरियों भारतवासी आहे, जंहिं पंहिंजे पहिरिएं ओलम्पिक में गोल्ड मेडल हासिल कयो। नीरज भारत देश लाइ शान आहे।

सबक़ बाबत सुवाल 3.1

1. ख़ाल भरियो :

(i) नीरज चोपड़ा जो जनमु ..... डिसम्बर 1997 ई. में थियो।

(ii) नीरज ..... सुधारण लाइ पानीपत वियो।

(iii) साल 2022 ई. ताईं ..... भारतवासियुनि ओलम्पिक में शख़्सी मेडल खटिया हुआ।

(iv) नीरज लाइ जर्मन रांदीगर वड़े में वड़ो ..... हुओ।

2. सही (✓) या ग़लत (✗) जा निशान लगायो :

(i) नीरज जो जनमु पंजाब में थियो हो। ( )

(ii) नीरज गोल्ड मेडल खटियो। ( )

(iii) नंढपिण में नीरज सन्हो हो। ( )

(iv) नीरज भालो उछिलाइण में गोल्ड मेडल खटियो। ( )

मशिगूलियूं 3.1

(1) तव्हां खे कहिड़ी रांदि पसंद आहे, उन बाबत पंज जुमिला लिखो।

(2) किनि बि पंजनि रांदियुनि जा नाला लिखो।

भाषा जो इस्तेमालु

हर्फ़ निदा

हेठियां जुमिला पढ़ो :

1. वाह! तो त कमाल करे डेखारियो।

2. हाइ! ग़रीब मथां जुल्मु थियो आहे।

3. शाल! परमात्मा सभिनी मथां दया करे।

4. अड़े! मां कैच पकिड़े न सघियुसि।

5. अफ़सोस! तो रांदि न खटी।

मथियनि जुमिलनि में लीक डिनल लफ़्ज़ ख़ुशी, ग़म, चिंता, अजब वग़ैरह जज़्बात ज़ाहिर कनि था। इहे लफ़्ज़ हर्फ़ निदा आहिनि।

हर्फ़ निदा- उहे लफ़्ज़, जेके ख़ुशी, अफ़सोस, ख़्वाहिश या अजब वग़ैरह ज़ाहिर कनि, उन्हनि खे हर्फ़ निदा चइबो आहे।

तव्हीं छा सिखिया

- रांदियूं असांखे चुस्त ऐं फुड़ितु बणाईनि थियूं।
- रांदियूं असांजो सारीरिक ऐं मानसिक विकास कनि थियूं।
- रांदियूं सोचण जी शक्ती वधाईनि थियूं।
- रांदियूं ललकार खे स्वीकार करण जी हिमथ ड़ियनि थियूं।

वधीक जाण

ताज़ो 2024 ई. में ओलम्पिक रांदियूं फ्रांस जी राजधानी पेरिस में थियूं। भारत जे केतिरनि ई रांदीगरनि जुदा जुदा रांदियुनि में बहिरो वरितो। भारत जे रांदीगरनि उन्हीअ ओलम्पिक में 6 मेडल खटिया। उन बाबत जाण हेठिएं ख़ाके में ड़िनल आहे–

रांदीगर जो नालो	रांदि	खटियल मेडल
• नीरज चोपड़ा	भालो उछिलाइणु	सिल्वर मेडल
• मनु भाकर	शूटिंग	ब्रांज़ मेडल (2)
• स्वपनिल कुसले	शूटिंग	ब्रांज़ मेडल
• अमन सहरावत	कुश्ती	ब्रांज़ मेडल
• भारतीय हॉकी टीम	हॉकी	ब्रांज़ मेडल

सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

(i) नीरज जो जनमु किथे थियो हो?

(ii) नीरज फिटनेस सुधारण लाइ केड़ांहुं वियो?

(iii) नीरज कहिड़ीअ रांदि में गोल्ड मेडल खटियो?

(iv) भालो उछिलाइणु कड़हिं सही मञियो वेंदो आहे?

2. ज़िद लिखो :

(i) जनमु (ii) वड़ी

(iii) थुल्हो (iv) खटणु

3. हेठियां लफ़्ज़ कमि आणे जुमिला ठाहियो :

(i) हरियाणा

(ii) जाग्राफ़ियाई

(iii) क़ाइमु

(iv) डींहुं

4. साग़िए आवाज़ वारनि लफ़्ज़नि जा जोड़ा मिलायो :

मिसालु	खट		मट
(i)	चाह	(अ)	दाइमु
(ii)	धीरज	(ब)	कंहिंजी
(iii)	डींहुं	(स)	राह
(iv)	पंहिंजी	(द)	नीरज
(v)	क़ाइमु	(य)	शींहुं

5. सबक़ मां गोल्हे, हिक लफ़्ज़ में जवाब डियो :

(i) रांदि कंदड़ु

(ii) पैदा थियण जी क्रिया

(iii) जेको बदन में भरियल हुजे

(iv) जेको चटाभेटी खटे

6. तस्वीर मूजिबु जोड़ा मिलायो :

(i) जन गण मन ☐

(ii) गोल्ड मेडल ☐

(iii) भालो ☐

(iv) स्टेडियम ☐

7. ब्रेकेट मां सही लफ़्ज़ गोल्हे ख़ाल भरियो :

(i) नीरज चोपड़ा जो जनमु ..... डिसम्बर 1997 ई. में थियो हो। (26, 25, 24)

(ii) नीरज चोपड़ा ..... मेडल खटियो। (गोल्ड, सिल्वर, ब्रांज़)

(iii) नीरज लाइ वड्डी ललकार ..... रांदीगर हो। (जर्मन, अंग्रेज़, चाईनी)

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) 24 (ii) फिटनेस
   (iii) बिनि (iv) ललकार
2. (i) × (ii) ✓
   (iii) × (iv) ✓

नवां लफ़्ज़

- गूंजणु = फहिलजणु
- ललकार = मुक़ाबिले लाइ सद्दु
- शौक़ु = चाहु
- भेरो = दफ़ो
- क़िस्म = नमूना
- चटाभेटी = मुक़ाबिलो

4

जीअणु छा जे वास्ते?

असांजे समाजिक जीवन में ब्रियनि लाइ जीवन जीअण ऐं ख़लक में ख़ालिक मञण, सभिनी जी निष्काम सेवा करण खे ई जीवन जीअण मञियो वियो आहे। छो त सभ जे भले में ई असां जो भलो आहे। सुखी समृद्ध समाज जे विच में ई असां वाधारो करे सघूं था।

हिन कवीता में कवी ब्रियनि जे वास्ते जीअण, सभिनी खे ख़ुशी बख़्शण ऐं सबुर सां निष्काम शेवा करण जी हिदायत करे थो। नदीअ वांगुरु पंहिंजे वेझो रहंदड़नि खे ख़ुशहाली ड्रियण जी हिदायत करे थो।

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- कंहिं सामग्रीअ खे पढ़ंदे लेखक पारां रचना जे हवाले में पेश कयल वीचारनि खे समुझी, पंहिंजनि आज़मूदनि सां गड्ु उन जी मुशाबहत, सहमति या असहमतीअ जे हवाले में पंहिंजा वीचार ज़ाहिर कनि था;
- कंहिं दर्सी मवाद जी बारीकीअ जी जाच कंदे उन में कंहिं ख़ासि नुक़्ते खे ग्रोल्हीनि था;
- भाषा जे बारीकियुनि/बंदोबस्त ऐं नवनि लफ़्ज़नि जो इस्तेमाल कनि था। जीअं त कंहिं कवीता में कमि आंदल लफ़्ज़, फुकिरनि वग़ैरह जो इस्तेमाल।

4.1 बुनियादी सबक़ु

जे जीअणु चाहीं जग़त में, जीउ ब़ियनि जे वास्ते,
बाग़ में जीअं थी रहे, बुलबुल चमन जे वास्ते।

ख़लक में ख़ालिक पसी, करि ख़लक जी ख़िज़मत मुदाम,
हिन इबादत साणु करि, हासिल उथी आला मुक़ाम।

मन वचन ऐं कर्म सां, शेवा खे सिमरण ज़ाणु तूं,
जो ब़ियनि जे कमि अचे, उन खे ई जीवन ज़ाणु तूं।

जिनि जे जीवन में ख़िज़ां, तिनि लाइ बणिजी पउ बहार,
बेक़ररनि वास्ते थी, बेक़रारीअ में क़रार।

जीअं नदी वहंदी वञे, वीरान पट सावा करे,
तीअं सुकल ऐं ठोठ हिर्दा, प्यार सां छड़ि तूं भरे।

वण जियां ड़े फल ज़माने खे, न लेकिन माणु करि,
सबुर ऐं निष्काम आदत खे, सदाईं साणु करि।

बे अझनि जो आसिरो थी, दर्दमंदनि जी दवा,
जे ड़िसीं आलियूं अखियूं, उघु लुड़िक तिनि जा ए ज़िया!

– परसराम 'ज़िया'

4.2 अचो त समुझूं

शाइरु हिन बैत में संदेश ड़िए थो त असां खे ब़ियनि लाइ जीअणु घुरिजे। जीअं बुलबुल बाग़ीचे में चमन जे वास्ते रहंदी आहे। हर इंसान में प्रभू वसे थो। इनकरे इहो ज़रूरी आहे त इंसानु, इंसान जी ख़िज़मत करे ऐं ऊंचो दर्जो हासिल करे। शाइरु समुझाईंदे चवे थो त असां खे अहिड़ो कमु करणु घुरिजे, जीअं ब़ियनि खे कंहिं बि क़िस्म जो नुक़सान न थिए, पर फ़ाइदो ज़रूरु पवे। जेकड़हिं असां मन, वचन ऐं कर्म सां ब़ियनि जी सेवा कंदासीं त इहो ईश्वर जो सिमरण ई आहे। तव्हांजे अंदर इहा भावना पैदा

थियणु घुरिजे त घुरिजाऊ माण्हुनि जी मदद कजे, जीअं उन्हनि जी ज़िंदगीअ में सरउ बदिरां बहार अचे याने उन्हनि जी ज़िंदगीअ में ग़म दूर थी खुशियूं अचनि।

शाइर क़ुदरत जा केतिरा ई मिसाल असांजे साम्हूं रखिया आहिनि। नदी हमेशह वहंदी रहे थी ऐं वीरान इलाक़नि खे सरसब्ज़ु बणाए थी। वण पंहिंजा मेवा पाण न खणी, बि॒यनि खे खाराइनि था। अहिड़े ई नमूने असांखे बि घुरिजाउनि, ग़रीबनि, कमज़ोरनि जी मदद करे, उन्हनि जा दुख दूर करण घुरिजनि।

सबक़ बाबत सुवाल 4.1

1. सही जवाब चूंडे ब्रेकेट में लिखो :

(i) बाग़ में जीअं थी रहे, ... चमन जे वास्ते :

(अ) झिरिकी (ब) बुलबुल

(स) कांवेली (द) ब॒किरी ( )

(ii) बेक़ारनि वास्ते थी, ... में क़रार :

(अ) बीमारीअ (ब) ख़ुमारीअ

(स) बेक़रारीअ (द) सुठाईअ ( )

मशिगूलियूं 4.1

(1) हिकु पोस्टर ठाहियो, जंहिं में निष्काम सेवा जूं पंज ग़ाल्हियूं हुजनि।

(2) आम सुजाग़ी आणण लाइ पंज उपाव लिखो।

(3) तव्हां निष्काम आदत सां सभिनी जी सेवा कीअं कंदा आहियो, सो नोट करियो।

(4) हिन बैत में ड्निल कवीअ जी सिखिया खोले समुझायो।

तव्हीं छा सिखिया

- ब्रियनि जे वास्ते जीअणु ऐं सभिनी खे ख़ुशी बख़्शणु सही माना में जीअणु आहे।
- वण जियां सभिनी खे सुखनि रूपी छांव ड्रियणु घुरिजे।
- जीअं नदी वहंदी ऐं वीरान पट सावा कंदी आहे, तहिड़ीअ तरह सुकल ऐं ठोठ हिर्दा असां खे प्यार सां भरे छड्रण घुरिजनि।

वधीक ज्राण

इंसानी जीवति में निहठाई, निविड़त जा गुण ज़रूरु हुअणु घुरिजनि। निष्काम सेवा जी भावना हुजणु ज़रूरी आहे। जीअं वण टिण पाण तकलीफ़ूं सही, ब्रियनि खे छांव ऐं फल ड्रियनि था, उन्हनि वणनि खां सिखिया वठणु घुरिजे।

सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. ख़ाल भरियो :

(i) हिन इबादत साणु करि, हासिल उथी आला .....।

(ii) जिनि जे जीवन में ....., तिनि लाइ बणिजी पउ बहार।

(iii) तीअं सुकल ऐं ठोठ ....., प्यार सां छड्रि तूं भरे।

(iv) सबुर ऐं ..... आदत खे, सदाईं साणु करि।

2. सही (✓) या ग़लत (✗) जा निशान लगायो :

(i) बेक़ररनि वास्ते बेक़रारीअ में बेक़रार थीउ। ( )

(ii) तूं सबुर ऐं निष्काम आदत सां, सदाईं सभिनि जी सेवा करि। ( )

(iii) तूं वण जियां डे फल ज़माने खे, लेकिन माणु करि। ( )

3. (अ) मिसाल मूजिबु लफ़्ज़ जोड़ियो :

मिसालु : संगीत - संगीतकार

(i) कला -

(ii) चित्र -

(iii) नाटक -

(ब) मिसाल मूजिबु लफ़्ज़ ठाहियो :

मिसालु : आज्ञा - आज्ञावान

(i) दया -

(ii) गुण -

(iii) धन -

(iv) बल -

(स) मिसाल मूजिबु लफ़्ज़ बणायो :

मिसालु : पवित्र - पवित्रता

(i) सुंदर -

(ii) महान -

(iii) प्राचीन -

4. लीक ड़िनल लफ़्ज़नि जा ज़िद, ख़ालनि में भरियो :

(i) स्कूल अगियां बागु आहे ऐं ..... रांदि जो मैदान आहे।

(ii) मोहन इहा पेती हेठि न रखु, ... रखु।

(iii) तव्हीं बाहिर न बीहो, ... अचो।

(iv) तूं हेडांहुं न वञु, ... अचु।

5. हेठियनि जुमिलनि में ज़मान सुञाणो :

(i) गिलास में पाणी आहे।

(ii) राजा चोर खे सज़ा ड़िनी।

(iii) रोहित अंग गणे रहियो हो।

(iv) सीमा टेलीवीज़न ते प्रोग्राम पेश कंदी।

(v) भरत राम जूं चाखिड़ियूं तख़्त ते रखियूं।

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) बुलबुल (ii) बेक़रारीअ

नवां लफ़्ज़

- चमन = बाग़, गुलशन
- ख़ालिकु = उपाइणहार
- मुदाम = सदाईं, हमेशा
- इबादत = बंदगी, प्रार्थना

- आला = वड़ो
- मुकाम = दर्जो, आस्थान
- सिमरण = जाप
- ख़िज़ां = सरउ
- क़रार = आराम
- वीरान = उजड़, ग़ैर आबाद
- ठोठ = ख़ुशकु
- माणु = अहंकार
- निष्काम = नि:स्वार्थ
- आसिरो = सहारो
- मुशाबहत = भेट

5

प्रजापति

हर इंसान जो जीवन हिक आखाणी आहे। आखाणियुनि खां सवाइ त हिन काइनात जी कल्पना बि नथी करे सघिजे। आखाणी बुधाइणु हिक कला आहे ऐं बुधणु त हर कंहिं खे शौकु आहे। केरु आखाणी बुधणु पसंद न कंदो? आखाणियूं त सिखिया ऐं विंदुर जो माध्यम आहिनि। इहे ई त बारनि जी समुझ खे वधाईनि थियूं। अगु वारे समें में शाम जे वक़्ति घर जा वडा पंहिंजनि बारनि खे का न का मन खे मोहींदड़ आखाणी बुधाईंदा हुआ ऐं बारनि खे डाढो आनंद ईंदो हो। अचो त हिक नईं आखाणी पढ़ूं ऐं कुझु सिखिया हासिल करियूं।

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- जुदा जुदा मौक़नि ते हवालनि में चयल बियनि जे ग़ाल्हियुनि खे पंहिंजे ढंग सां लिखनि था;
- सिंधी भाषा में अलग अलग क़िस्मनि जी सामग्री, अख़बारूं, मैग़ज़िनूं, कहाणियूं, ज़ाण डींदड़ सामग्री, इंटरनेट ते शाया थींदड़ सामग्री वग़ैरह समुझी पढ़नि था ऐं उन में पंहिंजी पसंदी ऐं नापसंदीअ जे पक्ष में लिखियल रूप में या ब्रेल भाषा में पंहिंजो तर्कु रखनि था;
- हिन तरह जे आखाणियुनि खे पढ़ण खां पोइ अहिड़े किस्म जूं बियूं आखाणियूं हथि करे पढ़नि था।

5.1 बुनियादी सबक़ु

राजा रणजीत सिंह महापुरुष हो। संदसि शिकिल शानदार ऐं दहिशत भरी हुई। निहायत नेक दिल बुज़ुर्ग हो, सुभाव निमाणो हुअसि। प्रजा मथां त साहु छडींदो हो। संदसि वक़्त में हिक भेरे पंजाब में सख़्तु ड़ुकारु अची पियो। उन साल नदियुनि में पाणी घटि आयो ऐं बरसात पिण बिनह कान पेई। बीठल फ़सुल सड़ी विया। अनाज महांगो थींदो वियो, तां जो अहिड़ी हालत थी, जो बाज़ार में अनाज जो सेरु मिलणु मुशिकल थी पियो। इहा रोइदाद जड॒हिं राजा रणजीत सिंह डि॒ठी ऐं बु॒धी, तड॒हिं हुन सरकारी मुनादी डि॒यारी त जंहिं खे बि अनाज जी ज़रूरत हुजे, सो घुरिज आहर अनाज सरकारी गोदाम मां मुफ़्त वठी वञे। माण्हू महाराजा जी उन महिरबानीअ करे दिल ऐं जानि सां थोराइता थिया। चवण लगा॒, ''राजा आदमी न, देवता आहे।''

बुख में पाहि थींदड़ आदमियुनि में साहु पइजी वियो। थोरे वक़्त में सरकारी गोदाम वटि भीड़ लगी॒ वेई। किले जे फाटक वटि सिपाही बीठा हुआ ऐं फ़कति ग़रीबनि खे अंदर वञणु थे डि॒नाऊं। खेनि हुकुम मिलियल हो त ''हीअ इमदाद सिर्फ़ मिस्कीननि लाइ आहे।''

उन खां पोइ उन्हीअ अंबोह में हिकु 70 सालनि जो पोढ़ो ऐं 7 सालनि जो पोटो बि अनाज वठण आयल हुआ। पोढ़ो धोबी॒ हो। संदसि हालत तमाम सक़ीम हुई। हिकु पीरसन, बि॒यो बुखायलु, सो खेसि एतिरी सघ ई कान हुई जो उन मेड़ में धूके अंदर वञी सघे। हुन ब॒ टे दफ़ा कोशिश कई, मगर धिका खाई पुठिते मोटी वियो। नेठि वेचारो पोटे समेति पासीरो थी बीठो ऐं पंहिंजी बेकसीअ ते जख खाइण लगो॒।

जड॒हिं मुंहं ऊंदाही थी ऐं शंख जो आवाज़ बु॒धण में आयो, तड॒हिं उन दमु अनाज डीं॒दड़नि अनाज डि॒यणु खणी बंद कयो। हुकुम थियो त बाक़ी माण्हू सुभाणे अची अनाज वठी वञनि। माण्हू आहिस्ते आहिस्ते बा॒हिर निकिरण लगा॒, मगर धोबी॒ ई बीठो रहियो। संदसि अखियुनि मां लुड़िक लुढ़ी

पिया। खेसि पंहिंजी परवाह त कान हुई, मगर बार बिनि डींहंनि खां बुखूं कढी रहिया हुआ। हुन पोटे खे चयो, ''डिसु पुट! असां कहिड़ा न बदि नसीब आहियूं, दरियाह तां बि प्यासा था मोटूं।'' एतिरे में हिकु सरदार अची वटिनि बीठो ऐं खेनि चयाईं, ''हाणे वञो, सुभाणे अचिजो। अजु अनाज कोन मिलंदो।'' धोबीअ सर्द आह भरे चयो, ''वञूं था सरकार!'' उन दर्द भरियल बेकसीअ ते सरदार जी दिल भिनी। खेसि ग़ौर सां डिसी चयाईं, ''बाबा, सुभाणे न अची सघंदें?'' धोबीअ जवाबु डिनो, ''ईंदुसि त चशिमनि सां, मगर ग़रीब आदमी आहियूं, मुंहिंजो पोटो बारु आहे। बिनि डींहंनि खां सभु बुख....''। सरदार विच में ई चयुसि, ''तडहिं अचु, तोखे हाणे ई अनाज वठी डियां।'' धोबी ऐं संदसि पोटो सरदार जे पुठियां हलिया। सरदार अनाज जे ढेर वटि बीही तोरींदड़ खे चयो, ''हिन बुढे खे वीह सेर अनाजु डे।'' धोबीअ चादर फहिलाई। आदमी अनाज तोरण लगो। जडहिं वीह सेर तुरी बीठा, तडहिं बुढे पंहिंजे पोटे डांहुं इशारो करे चयो, ''हिन नंढिड़े लाइ बि डियो।'' सरदार उन बार डांहुं प्यार सां निहारे पुछियो, ''नींगर, तोखे केतिरो अनाज खपे?'' छोकर चयो, ''साईं! वीह सेर डियो त महिरबानी।'' सरदार खिली चयुसि, ''अड़े! तूं त पंहिंजे डाडे खां बि वधीक लालची निकितें।'' पोइ अनाज तोरण वारे खे चयाईं, ''वीह सेर बिया बि डींसि। बुढो आहे, बार बार कीअं ईंदो?''

बुढो अनाज वठी ख़ुशि थियो ऐं सरदार खे आसीस करण लगो। एतिरे में अनाज तोरण वारा हलिया विया। उन वक़्ति किले जे कुशादे एवान में टिनि जणनि खां सवाइ बियो को कोन रहियो। बुढे गठिड़ी बधी, पर खणणु मुशिकल थी पियुसि। धोबीअ डिजंदे चयो, ''सरदार साहिब! गठिड़ी भारी आहे। को मथे ते रखे त खणी वञां।'' सरदार धोबीअ डांहुं निहारियो ऐं पोइ मुर्की गठिड़ी संदसि मथे ते रखियाईं। धोबीअ ब चार विखूं मस खंयूं त किरी पियो। सरदार चयुसि, ''कीअं पोढ़ा! हिकु मणु अनाज जो वठी बधुइ, जो खणी बि नथो सघीं। वीह सेर वठी वञीं हा त इहा तक़लीफ़ छो थिएई हा? लालच थो करीं, पर पंहिंजे बदन डांहुं नथो डिसीं। वञु, वञी कंहिं माण्हूअ खे वठी अचु। ही बोजो तोखां कीन खजंदो।

धोबीअ बेवस निगाहुनि सां उन्हीअ नेक सरदार डांहुं निहारे चयो, ''सरदार साहिब! मुंहिंजो माण्हू आहे किथे, जो ही बोजो अची खणंदो? हिकिड़ो पुट हो, उहो बि गुज़िरियल साल चालाणो करे वियो. ...।'' सरदार पाउ पलक वीचार कयो। पोइ उहा गठिड़ी पंहिंजे मथे ते खणी, बुढे सां गडु हलियो। बुढे हर हर इएं ई थे चयो, ''महाराजा देवता आहे, त संदसि ज़ेरदस्त बि कहिड़ा न हमदर्द ऐं महिरबान आहिनि।'' जडहिं धोबीअ जे घर पहुता, तडहिं सरदार अनाज जी गठिड़ी अङण में रखी वापस मोटियो। धोबी शुक्रगुज़ारीअ विचां खेसि बाज़ार ताईं उमाणण वियो। ओचितो हिक तरफ़ खां के फौजी सिख अची निकिता ऐं सरदार खे सुञाणे खेसि फ़ौजी सलाम कयाऊं। धोबी हीसिजी वियो। हुन जातो त हीउ सरदार जे लश्कर जो सिपहसालार हूंदो, न त हिन नमूने में खेसि सिपाही छो सलाम कनि हां। जडहिं सरदार हलियो वियो, तडहिं धोबीअ उन्हनि सिखनि खां पुछियो त इहो केरु हो? हिक सिपाहीअ ताजुब भरियल निगाह सां पोढ़े डांहुं निहारे चयो, ''पोढ़ा! तोखे इहा बि ख़बर नाहे? इहो ई असांजो महाराजा रणजीत सिंह आहे।''

धोबीअ छिर्कु भरियो। संदसि हैरत जी हद न रही। दिल में सोचण लगो त राजा रणजीत सिंह कहिड़ो न रइयत जो रखवालो आहे। इहो महाराजा, जंहिं जे अखि जे इशारे ते फ़ौजुनि में हलचल मची वेंदी आहे। जो हिन ज़माने में हिंदुस्तान जो सभ खां वडो ऐं ज़बरदस्त राजा आहे, जंहिं खे पंजाब जो गजंदड़ शेर कोठियो वेंदो आहे, सो तख़्त ताज जो वाली मूं निर्धन लाइ मज़ूरु बणिजी, मूं मिस्कीन हिक धोबीअ जे घर अनाज जी गठिड़ी पंहिंजे मथे ते खणी पहुचाए वियो। अहिड़ा राजाऊं ई 'प्रजापति' कोठिजण जे लाइकु आहिनि।

5.2 अचो त समुझूं

छा तव्हांखे ख़बर आहे त शेर-ए-पंजाब कंहिं खे चवंदा आहिनि? हिकु अहिड़ो राजा हो, जंहिं पंजाब राज्य में एकता आंदी ऐं पंहिंजे जीवन में अंग्रेज़नि जे घणियुनि ई कोशिशुनि खां पोइ बि पंजाब खे अंग्रेज़नि खां बचायो। अंग्रेज़नि केतिरा ई हमला कया पर उहे कामियाब न विया। उहो शेर-ए-पंजाब हो राजा रणजीत सिंह।

राजा रणजीत सिंह सचुपचु राजधर्म जी पालना कंदडु हो। प्रजा जे दुख सुख में हमेशह शामिल हूंदो हो। सजे राज में कंहिं सां बि नाइंसाफ़ी न थिए, इन जो ख़्यालु रखंदो हो। केतिरा ई मिसाल आहिनि, जिनि मां ज़ाहिर थिए थो त राजा रणजीत सिंह बारनि खां बुढनि ताईं सभिनी जो दुख दर्द समुझी, उन्हीअ खे दूर करण जी कोशिश कंदो हो। अहिड़ो ई हिकु वाक़ओ हिन सबक़ में बुधायल आहे। जडहिं सजे राज में डुकार जी आपदा आई, तडहिं महाराजा रणजीत सिंह सरकारी अनाज जा गोदाम ग़रीबनि

लाइ खोले छड्डिया। जड्हिं हिक धोबीअ खे को बि आसिरो न हो, पंहिंजे पोटे सां गड्डु अनाज वठणु हुन लाइ मुश्किल थी पियो तड्हिं राजा पाण खेनि अनाज वठी डिनो ऐं अनाज पाण ढोए घर ताईं छड्डे आयो।

सबक़ बाबत सुवाल 5.1

1. ख़ाल भरियो :

(i) हिक भेरे पंजाब में सख़्तु ..... अची पियो।

(ii) खेनि हुकुम मिलियल हो त हीअ इमदाद सिर्फ़ ..... लाइ आहे।

(iii) महाराजा रणजीत सिंह खे पंजाब जो गजंद्डु ..... चवंदा आहिनि।

(iv) उन वक़्ति किले जे कुशादे ..... में टिनि ज़णनि खां सवाइ बियो को बि कोन रहियो।

(v) महाराजा देवता आहे त संदसि ..... कहिड़ा न हमदर्द ऐं महिरबान आहिनि।

मशिग़ूलियूं 5.1

(1) हिन आखाणीअ खे हिक नाटक में रूपांतरण करे स्टेज ते किरदारनि ज़रीए पेश करियो।

भाषा जो इस्तेमालु

ज़मान

असां गुज़िरियल क्लासनि में छह ज़मान सिखिया आहिनि। मिसाल :

(1) ज़मान हाल– भावना स्कूल वञे थी।

(2) ज़मान माज़ी– भावना स्कूल वेई।

(3) ज़मान मुस्तक़बिल– भावना स्कूल वेंदी।

(4) ज़मान हाल इस्तमुरारी– भावना स्कूल वञी रही आहे।

(5) ज़मान माज़ी इस्तमुरारी- भावना स्कूल वञी रही हुई।

(6) ज़मान मुस्तक़बिल इस्तमुरारी- भावना स्कूल वेंदी रहंदी।

हाणे असां बि॒या टे ज़मान सिखंदासीं :

(7) ज़मान हाल बईद

(8) ज़मान माज़ी बईद

(9) ज़मान मुस्तक़बिल बईद

(7) **ज़मान हाल बईद**- अहिड़ो ज़मान, जंहिं में हलंदड़ वक़्त में शुरू कयल को कमु पूरो थियल हुजे, उन खे ज़मान हाल बईद चइबो आहे।

मिसल :

1. असां रोटी खाधी आहे।
2. रमेश ख़तु लिखियो आहे।
3. तव्हां अख़बार पढ़ी आहे।
4. असां मैच खटी आहे।
5. शीला इम्तहान डि॒नो आहे।

(8) **ज़मान माज़ी बईद**- उहो ज़मान, जंहिं में गुज़ि॒रियल वक़्त में शुरू थियल को कमु पूरो थियलु हुजे, उन खे ज़मान माज़ी बईद चइबो आहे।

मिसाल :

1. मूं ख़तु लिखियो हो।
2. सीता सूफ़ खाधो हो।
3. असां इनाम खटियो हो।
4. मनोज ई-मेल मोकिली आहे।
5. टपालीअ ख़तु पहुचायो हो।

(9) **ज़मान मुस्तक़बिल बईद**- उहो ज़मान, जंहिं में ईंदड़ वक़्त में को शुरू थियल कयल पूरो थियल डे॒खारिजे, उन खे ज़मान मुस्तक़बिल बईद चइबो आहे।

मिसाल :

1. मां शाम ताईं कमु पूरो करे चुको हूंदुसि।
2. राधिका जा इम्तहान सुभाणे ताईं ख़तम थी चुका हूंदा।
3. असां शाम जो पंजें बजे दिल्लीअ पहुची चुका हूंदासीं।
4. मैट्रिक जी रिज़ल्ट जून ताईं जारी थी चुकी हूंदी।
5. अजु रात जो डहें बजे ताईं गाड़ी हरिद्वार पहुची चुकी हूंदी।

तव्हां हेल ताईं ज़मान जा 9 क़िस्म सिखिया :

मिसाल :

(1) ज़मान हाल- मां दरवाज़ो खोलियां थो।

(2) ज़मान माज़ी- मूं दरवाज़ो खोलियो।

(3) ज़मान मुस्तक़बिल- मां दरवाज़ो खोलींदुसि।

(4) ज़मान हाल इस्तमुरारी- मां दरवाज़ो खोले रहियो आहियां।

(5) ज़मान माज़ी इस्तमुरारी- मां दरवाज़ो खोले रहियो होसि।

(6) ज़मान मुस्तक़बिल इस्तमुरारी- मां दरवाज़ो खोलींदो रहंदुसि।

(7) ज़मान हाल बईद- मां दरवाज़ो खोलियो आहे।

(8) ज़मान माज़ी बईद- मां दरवाज़ो खोलियो हो।

(9) ज़मान मुस्तक़बिल बईद- मां दरवाज़ो खोले चुको हूंदुसि।

तव्हीं छा सिखिया

- हर इंसान खे पंहिंजे ज़मीर जो आवाजु बुधणु घुरिजे।
- क़ुदरती आपदाउनि जे अगियां इंसान लाचारु आहे।
- सभु कम करण ऐं कराइण वारो परमात्मा आहे।
- ग़रीबी दाइमा जी ज़िलत आहे।
- हर कंहिं सां थींदो उहो, जेको परमात्मा चाहींदो आहे।

वधीक ज़ाण

कुदरती आपदाऊं इंसान मथां ओचितो नाज़िल थियनि थियूं। माण्हू मुंझी पवनि था। कंहिं खे बचण बचाइण जो खेनि वक़्तु ई नथो मिले। इन्हनि आपदाउनि खे खुदाई क़हरु चवंदा आहिनि। डुकार खां सवाइ बि अनेक आपदाऊं आहिनि। जीअं त बोड़ि, ज़िलज़िलो, तूफ़ान, सुनामी, सामूंडी चक्रवात, ज्वालामुखी ऐं बादलनि जो फाटणु, ज़मीन ऐं पहाड़नि जो पंहिंजी जाइ तां खिसकणु, बिजली किरणु वग़ैरह। इन्हनि खे रोकण लाइ आपदा बंदोबस्त कयो वेंदो आहे। अजुकल्ह नईं तकनीक सबब बोड़ि, तूफ़ान वग़ैरह जो अगु में ई माण्हुनि खे ख़बरदारीअ जो इतलाउ ड़िनो वञे थो।

सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

   (i) पंजाब में डुकार सबब कहिड़ी हालत बणी?

   (ii) माण्हुनि जी हीअ रोइदाद ड़िसी राजा छा कयो?

   (iii) पोढ़ो पंहिंजी बेकसीअ ते छो जख खाइण लगो?

   (iv) सरदार पोढ़े खे कहिड़ी मदद कई?

   (v) पोढ़ो राजा रणजीत सिंह जे बारे में छा सोचण लगो?

2. ज़िद लिखो :

   (i) कुशादो (ii) डुकारु (iii) बदिनसीबु

   (iv) पोढ़ो (v) महांगो

3. हेठि ड़िनल इस्तलाहनि खे कमि आणे जुमिला ठाहियो :

   (i) लंघणु कढणु

   (ii) चालाणो करणु

   (iii) उमाणे अचणु

(iv) बुख में पाहु थियणु

(v) हैरत जी हद न हुअणु

4. साग़ीअ माना वारा लफ़्ज़ लिखो :

(i) रइयत (ii) निर्धन (iii) कुशादो

(iv) इमदाद (v) एवान

5. हेठियां जुमिला कंहिं कंहिं खे चया आहिनि :

(i) "ड्डिसु पुट! असां कहिड़ा न बदि नसीब आहियूं।"

(ii) "हाणे वञो, सुभाणे अचिजो। अजु अनाज कोन मिलंदो।"

(iii) "बाबा, सुभाणे न अची सघंदें?"

(iv) "अड़े, तूं त पंहिंजे डाडे खां बि वधीक लालची निकितें!"

(v) "पोढ़ा! तोखे इहा बि ख़बर नाहे?"

6. लीक डि्नल लफ़्ज़ जो ज़िदु कमि आणे, नओं जुमिलो ठाहे लिखो :

मिसालु : स्कूल जे अगि़यां वडो बाग़ु आहे।

जवाबु : काल्ह मां बाज़ार मां नंढो बालु ख़रीद कयो।

(i) कोप में घटि चांहि हुई।

(ii) युधिष्ठर घणा सुवाल पुछिया।

(iii) जुमिले में को बि लफ़्ज़ु ग़लत न हो।

(iv) मीना तकिड़ो डोड़ी स्टेशन पहुती।

(v) ग़रीबीअ में बि संतोष करणु घुरिजे।

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) डुकार (ii) मिस्कीननि
   (iii) शेर (iv) एवान
   (v) ज़ेरदस्त

नवां लफ़्ज़

- पोढ़ो = झूर बुढो
- कुशादो = वेकिरो, वड्डो
- चशिमनि = अखियुनि
- दहशत = आतंक, हिरासु
- पीरसन = वड्डी उमिरि वारो
- वाली = मालिकु
- मुनादी = ढंढोरो, होको
- मुंहं ऊंदाही = संझा
- ताजुब = अचिरजु
- बिनह = बिलकुल
- सक़ीम = निबुलु
- विखूं = क़दम
- इमदाद = सहायता, मदद
- ज़ेरदस्त = अधीन
- रइयत = प्रजा
- मिस्कीन = ग़रीब
- रोइदाद = ख़राब हालत
- डुकारु = अकाल, सोक
- थोराइता = अहसानमंद
- अंबोह = भीड़
- बेकसी = असहाय हालत
- एवान = दालान

6

अंध श्रद्धा

इहो ॾिठो वियो आहे त असां मां केतिरा ई माण्हू जुदा जुदा वहम, संसा, भरम पाले वेठा आहिनि। इन्हनि जे करे केतिरा ई नुक़सान थियनि था। अचो त सबक़ में सिखूं त इन्हनि वहमनि खां पाण खे बचायूं ऐं अजायुनि ॻाल्हियुनि खां पाण खे परे करियूं।

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- पंहिजनि आज़मूदनि खे पंहिंजी भाषा ऐं इबारत में लिखनि था;
- अलॻ अलॻ संवेदना वारनि मुद्दनि/विषयनि जीअं त ज़ाति, धर्म, रंग, जिंस, रीतियुनि रस्मुनि जे बारे में लिखियल रूप में दलीली समुझ जो इज़्हार कनि था;
- अंध श्रद्धा ऐं श्रद्धा में कहिड़ो फ़र्क़ु आहे, उहो समुझनि था ऐं उन बारे में दोस्तनि सां ॻाल्हि ॿोल्हि कनि था।

6.1 बुनियादी सबक़ु

(उस्ताद क्लास में दाख़िल थिए थो ऐं सभु शागिर्द उथी बीहनि था।)

उस्ताद : ॿारो, वेही रहो।

शागिर्द : (हिक आवाज़ में) नमस्ते साईं!

(सभु ॿार वेही रहनि था।)

उस्ताद : अजु असीं रंगनि बाबत जाण हासिल कंदासीं।

(हिक बार खे इशारो कंदे) आनंद, तूं बुधाइ इंडलठ में घणा रंग हूंदा आहिनि?

आनंद : साईं, इंडलठ में सत रंग हूंदा आहिनि।

उस्ताद : शाबास, इन्हनि सतनि रंगनि खे चङीअ तरह याद करण लाइ हिकु लफ़्ज़ु 'गनपसानो' डाढो काराइतो आहे।

कीर्ति : साईं! 'गनपसानो' लफ़्ज़ जो मतलब छा आहे?

उस्ताद : 'गनपसानो' लफ़्ज़ में इंडलठ जा सत रंग समायल आहिनि। गाढ़ो, नारंगी, पीलो, साओ, आसमानी, नीरो ऐं वाङिणाई।

(हिकु शागिर्दु क्लास में अंदर अचे थो।)

आकाश : साईं! मां अंदर अचां?

उस्ताद : आकाश! अचण में एडी देर?

आकाश : साईं, माफ़ कंदा। मूंखे अचण में देर थी वेई। हक़ीक़त में घर मां त बराबर वक़्त ते निकितो होसि, पर रस्ते ते हलंदे हिक कारी बिली रस्तो काटे वेई, इनकरे थोरो वक़्तु उते तरसियुसि। मूं बुधो आहे त कारी बिली असांजो रस्तो काटे वञे त सजो डींहुं अशुभ गुज़िरंदो।

उस्ताद : आकाश, तूं ज़रा पंहिंजो दिमाग़ लगाइ। उहा बिली पंहिंजे कम सां वञी रही हुई ऐं तूं पंहिंजे कम सां वञी रहियो हुएं। तूं बिलीअ जे साम्हूं आएं ऐं बिली तुंहिंजे साम्हूं आई। बिलीअ त बिलकुल न सोचियो हूंदो त आम्हूं साम्हूं थियण सां संदसि सजो डींहुं अशुभ गुज़िरंदो। असां छो इन्हनि अजायुनि ग़ाल्हियुनि, वहमनि बाबत सोचियूं? पुट!

इन खे अंध श्रद्धा चइबो आहे। जेतिरो वहमनि जी दुनिया में पइबो, ओतिरो ई पाण खे फासाइबो।

आकाश : हा सांईं! हाणे मूंखे समुझ में आयो।

उस्ताद : अजु आकाश, मुंहिंजो ध्यान हिक अहम विषय डांहुं छिकियो आहे। रंगनि बाबत सुभाणे सिखंदासीं। अजु अंध विश्वास बाबत चिंता कंदासीं। मां तव्हां खां पुछां थो, बिया कहिड़ा भरम आहिनि, जिनि में विश्वास अथव?

रीटा : सांईं! असां चवंदा आहियूं त जेकड़हिं कोई बाहिर वञी रहियो आहे त उन खे पुठियां सडु न कजे। इएं करण सां हुन जो कमु पूरो न थींदो। सागिए वक़्ति जड़हिं घर जो को भाती बाहिर वञे त उन वक़्ति दरवाज़ो बंद न कजे।

राकेश : सांईं, असां जे घर में इहो रवाज आहे त मंगल ऐं छंछर डींहुं नंहं ऐं वार न कटाइणु घुरिजनि।

भावेश : मुंहिंजी माउ चवंदी आहे त रात जो बुहारी न पाइणु घुरिजे।

हीना : सांईं, भगल आरसी डिसणु बि अपसूण चयो वेंदो आहे।

दामिनी : मुंहिंजी चाचीअ हिक डींहुं बुधायुमि त पिपिर जे वण में भूत रहंदा आहिनि।

उस्ताद : वाह! एतिरा मिसाल मुंहिंजे साम्हूं आया आहिनि। अञां आहे को बियो शागिर्दु?

देवांश : सांईं! असां खे किरयाने जो दुकान आहे। घर ऐं दुकान जे दर वटि लीमों ऐं साओ मिर्च बधंदा आहियूं, जीअं असां मथां कंहिंजी बुरी नज़र न पवे।

विजय : सांईं! इएं बि चवंदा आहिनि त जड़हिं को कंहिं कम सां वञी रहियो हुजे, उन वक़्ति जेकड़हिं छिक अची वेई त उन कम में कामयाबी न मिलंदी।

रेनू : चवंदा आहिनि त छंछर डींहुं नएं घर या नएं धंधे जो मुहूर्त न करण घुरिजे।

कमल : मूं बुधो आहे त 13 नम्बर अशुभ थींदो आहे।

नीता : अखि जो फड़िकणु बि हिकु बदिसूण चवंदा आहिनि।

उस्ताद : प्यारा बालको! हिक गाल्हि त मां मञींदुसि त अव्हां अजु मूंखे वहमनि, भरमनि ऐं संसनि बाबत अलहदा अलहदा मिसाल बुधाया आहिनि। दरहक़ीक़त इहे सभु अंध श्रद्धा जूं गाल्हियूं आहिनि। बिलीअ पारां रस्तो कटणु, रात जो बुहारी न पाइणु, छंछर डींहुं वार न लहिराइणु वग़ैरह वग़ैरह। मुमकिन आहे त आगाटे ज़माने में इहे गाल्हियूं हालतुनि सां ठहिकंदड़ हुजनि, पर अजु विज्ञानिक ज़माने में इन्हनि गाल्हियुनि ते विश्वास करणु मूर्खता ई आहे। असां खे अंध श्रद्धा खां परे रहणु घुरिजे। का बि गाल्हि मञण लाइ विज्ञानिक नज़रियो रखणु घुरिजे। चङीअ तरह सोच वीचार करे, साम्हूं तर्क रखी, कारण ऐं असर समुझी फ़ैसिलो करण घुरिजे। अजु मां तव्हां सभिनी खे समुझाइणु चाहियां थो त इन्हनि गाल्हियुनि में विश्वास रखी पंहिंजो क़ीमती वक़्तु ज़ाया न करियो।

इन करे बारो! याद करियो त इन्हनि अंध श्रद्धाउनि जी पाड़ पटे, सभिनी खे आजो करिणो आहे। तालीम जे वाधारे सां ई इहो मुमकिन थींदो। जनता में, ख़ासि करे गोठनि में सुजागी आणण सां इहे भरम कढी सघिबा।

6.2 अचो त समुझूं

तव्हां सबक़ मां ज़रूरु सिखिया हूंदा त अंध श्रद्धा छा आहे। अंध श्रद्धा जा जुदा जुदा कहिड़ा मिसाल थी सघनि था। हाणे इहो साफ़ ज़ाहिर आहे त असां खे अंध श्रद्धा जहिड़ियुनि गाल्हियुनि में विश्वास न करण घुरिजे। श्रद्धा ऐं अंध श्रद्धा लाइ दलीलनि जो इस्तेमाल करे, उन्हनि खे अलग करे सघिजे थो। जेकड़हिं असां सही नज़रियो कमि न आणींदासीं त ज़रूरु उन जा बुरा नतीजा बि भोगिणा ई पवंदा। वक़्त जो ज़ियान थींदो। रिथाउनि में ख़लल पवंदो। दिमाग़ में शफ़ी ख़्याल न ईंदा ऐं मुमकिन कामियाबी देर सां मिले या न बि मिले।

सबक़ में मास्तर ऐं बारनि में अंध विश्वास बाबत गुफ़्तगू ज़रीए समुझाणी डिनी वेई आहे त इन्हनि अंध श्रद्धाउनि जी पाड़ पटे सभिनी खे आजो करिणो आहे। इहा सिखिया सभिनी ताईं फहिलाइणु घुरिजे। अंध श्रद्धा जो अंत तालीम जे वाधारे सां ई थी सघंदो।

भारत में केतिरियूं ई संस्थाऊं आहिनि, जेके अंध श्रद्धा जी पाड़ पटण में लगल आहिनि। जुदा जुदा प्रोग्रामनि रस्ते माण्हुनि में सुजागी आणण जूं भरपूर कोशिशूं करे रहिया आहिनि। समाज मां अंध श्रद्धा ख़तम थियण सां केतिरा ई गुनाह, हादसा, कुरस्मूं, इन्हनि सभिनी ते बुंजो पवंदो। माण्हुनि जो तंग नज़रियो वसीअ नज़रिये में बदिलजंदो। माण्हुनि जे जीवन में ख़ुशहाली ईंदी।

सबक़ बाबत सुवाल 6.1

1. सही जवाब चूंडे ख़ाल भरियो :

(i) सबक़ ..... ज़रीए पेश थियल आहे :

(अ) ग़ज़ल (ब) बैत

(स) मज़मून (द) गुफ़्तगू ( )

(ii) क्लास में ..... देर सां आयो :

(अ) आकाश (ब) देवांश

(स) आनंद (द) राकेश ( )

मशिगूलियूं 6.1

(1) हिकु पोस्टर ठाहियो, जंहिं में अंध श्रद्धा दूर करण जूं पंज गाल्हियूं हुजनि।

(2) आम सुजागी आणण लाइ पंज उपाव लिखो।

(3) सिज ग्रहण बाबत कहिड़ियूं अंध विश्वास जूं गाल्हियूं आहिनि, इंटरनेट ते वञी जाण हासिल करियो।

भाषा जो इस्तेमालु

हर्फ़ु जुमिलो

हेठियां जुमिला पढ़ो :

1. राम ऐं श्याम पाण में सुठा दोस्त आहिनि।

2. मां टैक्सीअ में बि वियुसि, पर गाड़ी न मिली।

3. मनोज इम्तहान में पहिरियों नम्बर आयो, छाकाणि त हुन सख़्त महिनत कई हुई।

4. सुनील खे दोस्तनि सलाह डिनी, "नौकिरी करि या को धंधो करि।"

मथियनि जुमिलनि में लीक डिनल लफ़्ज़ 'ऐं', 'पर', 'छाकाणि त' ऐं 'या' बिनि लफ़्ज़नि या बिनि जुमिलनि खे गंढीनि था। इहे लफ़्ज़ 'हर्फ़ जुमिलो' आहिनि। इन जा बिया मिसाल आहिनि–

'न त', 'इन करे', 'छो त', 'तंहिं करे', 'जेतोणीकि' वग़ैरह।

हर्फ़ु जुमिलो– उहो लफ़्ज़ु, जेको बिनि लफ़्ज़नि या बिनि जुमिलनि खे पाण में जोड़े, उन खे हर्फ़ु जुमिलो चइबो आहे।

तव्हीं छा सिखिया

- शफ़ी वीचार रखणु घुरिजनि।
- अजायुनि ग़ाल्हियुनि में वक़्तु न विञाइणु घुरिजे।
- तालीम जी तमाम घणी अहमियत आहे।
- फ़ैसिलो वठण में सभिनी पहिलुनि डांहुं ध्यान डियण घुरिजे।

वधीक जाण

ख़ासि किस्मनि जी अंध श्रद्धा दूर करण लाइ केतिरियुनि राज्य सरकारुनि सख़्त क़ानून पास कया आहिनि। कुझु मिसाल हेठि डि्जनि था :

- बिहार भारत जो पहिरियों राज्य आहे, जंहिं ऑक्टोबर 1999 ई. खां हिकु सख़्तु क़ाइदो पास कयो, जंहिं मूजिबु कंहिं बि औरत खे डाइणि समुझी तंगि करणु, अत्याचार करण या मारण खे ग़ैर क़ानूनी क़रार कयो वियो।
- सन् 2013 ई. में महाराष्ट्र राज्य हिकु अहिड़ो क़ानून पास कयो, जंहिं में इंसाननि जी बुली डि्यणु ऐं ग़ैर इंसानी अघोड़ी अमल ऐं कारे जादूअ ते रोक विधी वेई।

6.4 सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. हेठि डि्नल ख़ाको पूरो करियो :

गाल्हाईंदड़	बुधंदड़	बयान
उस्ताद	बार	अजु आकाश मुंहिंजो ध्यान अहम विषय डांहुं छिकायो आहे।
.....	उस्ताद	मंगल ऐं छंछर डींहुं नंहं ऐं वार न कटाइणु घुरिजनि।
.....	बार ऐं उस्ताद	रात जो बुहारी न पाइणु घुरिजे।
उस्ताद	.....	तूं ज़रा पंहिंजो दिमाग़ लगाइ।
नीता	.....	अखि जो फड़िकणु बि बदिसूण चवंदा आहिनि।

2. हेठियनि लफ़्ज़नि जूं सिफ़तूं ठाहियो :

(i) रात (ii) वहम

(iii) विज्ञान (iv) तालीम

3. 'कु', 'अ', 'ग़ैर' ऐं 'अण' इहे अग़ियाड़ियूं कमि आणे हेठियनि जा ज़िद बदिलायो :

मिसालु : ठहिकंदड़ - अण ठहिकंदड़

(i) हाज़िर (ii) हूंद (iii) सहकार

(iv) संग (v) वणंदड़ (vi) न्याउ

4. बयानु समुझी ब्रेकेट में 'श्रद्धा' या 'अंध श्रद्धा' लिखो :

(i) हरेश इम्तहान में वञण खां अगु माउ पीउ खे पेरे पवंदो आहे। ( )

(ii) हथ में ख़ारस थियण सां पैसो ईंदो आहे। ( )

(iii) तनवी किताबनि जे विच में इलमु हासिल करण लाइ मोर जा खंभ रखंदी आहे।

( )

(iv) महिनत करण सां अवसि कामियाबी मिलंदी आहे। ( )

(v) पैसा हमेशह साजे हथ सां डियणु घुरिजनि। ( )

5. जोड़ा मिलायो :

(i) किताबु	(अ) लिखणु
(ii) बाज़ार	(ब) पढ़णु
(iii) टी.वी.	(स) घुमणु
(iv) ख़तु	(द) डिसणु

6. अण ठहिकंड़ मथां गोल पायो :

(i) संसो, भरमु, वहम, भरोसो

(ii) क्लास, स्कूल, बाज़ार, मास्तर

(iii) डींहुं, उस, रात, मंझंदि

(iv) बार, उस्ताद, स्कूल, शागिर्द

7. लागापो पूरो करियो :

(i) देर : सवेल :: सुठो : .....

(ii) बाहिर : ..... :: अंदर : अंदरियों

(iii) लीमों : लीमां :: ..... : दरवाज़ा

(iv) ..... : पीउ :: चाचो : चाची

8. हेठि छोकिरनि जे नालनि जी ज़ंजीर ठहियल आहे। मिसाल समुझी छोकिरियुनि जे नालनि जी ज़ंजीर ठाहियो :

राकेश – शंकर – राम – मोहन

सुनीता – ..... – ..... – .....

9. मिलियल अखरनि मां मुनासिब लफ़्ज़ ठाहियो :

मिसालु : बु, री, हा

जवाबु : बुहारी

(i) ला, क, सु

(ii) र्गि, दु, शा

(iii) ग़, दि, मा

(iv) नो, ज़, मा

(v) जा, ग़ी, सु

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) (द) (ii) (अ)

नवां लफ़्ज़

- हक़ीक़त = सचु, असुल
- अहम = मुख्य
- अपसूण = ख़राब इशारो
- मूर्खता = बेवकूफ़ी
- काराइतो = कमाइतो, कारगर
- तर्क = दलील

7

जोकर

अजु॒ काल्ह विंदुर जा घणेई वसीला इंसान लाइ मुयसर आहिनि। जीअं त रेडियो, टी.वी., वड़ा वड़ा बाग़ बग़ीचा, जिनि में अलग़ अलग़ क़िस्मनि जा झूला आहिनि। इन्हनि में बि माण्हू पंहिंजो वधि में वधि वक़्तु गुज़ारे थो मोबाईल ते। मोबाईल खाधे खां पोइ इंसान जी वड़े में वड़ी घुरिज बणिजी पेई आहे। पर कुझु वक़्तु अगे॒ ताईं जड़हिं इंटरनेट अजां मुयसर न हो, तड़हिं माण्हू नाटक, फ़िल्मूं डि॒सी पंहिंजी विंदुर कंदा हुआ। अहिड़ो ई हिकु बि॒यो विंदुर जो वसीलो हो सर्कस। सर्कस जी दुनिया में माण्हू ब॒ टे कलाक गुम थी वेंदो हो। अचो त हिन सबक़ में असीं सर्कस जे हिक अहम किरदार बाबत पढ़ूं।

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- अलग़ अलग़ कलाउनि खे समुझी, उन्हनि सां जुड़नि था ऐं जिग़ियासा ज़ाहिर कंदे उनजी साराह कनि था;
- पढ़ण जे अलग़ अलग़ मवादनि में कमु आंदल लफ़्ज़नि, मुहावरनि, चविणियुनि जी माना समुझंदे उन खे पंहिंजे रोज़मरह में कमि आणीनि था;
- पढ़ियल सामग्रीअ ते चिंतन कंदे बहितर समुझ लाइ सुवाल पुछनि था।

7.1 बुनियादी सबक़ु

मथे ते मख़िरुती टोपलो, बदन ते वेकिरा घिरघिला ऐं रंग बिरंगी वेस वग़ा, हथनि में चिमटे जियां चीरियल लड़ी, बि॒न्हीं पेरनि में जुदा जुदा रंगनि रूपनि जा पातल बूट, चेहरे ते खिलाईंदड़ निराला हाव भाव, नक ते ग़ाड़ही टोटी, अजीबो ग़रीब हलचल ऐं हरकतूं कंदड़ ज़ामिड़े क़द जो कलाकार जड़ुहिं सर्कस में दर्शकनि जे साम्हूं मसख़िरे जे रूप में ज़ाहिर थिए थो त सज़े माहौल में ख़ुशीअ जी लहर छांइजी वञे थी। इन्हीअ दिलचस्प किरदार खे चवंदा आहिनि मसख़िरो या जोकर। जोकर खे ड़िसी न सिर्फ़ ब़ार गदगद थींदा आहिनि, बल्कि जुवान ऐं बुज़ुर्ग पिण हिन जूं अदाऊं ड़िसी दिल खोले दादु ड़ींदा आहिनि। जोकर बि अलग़ अलग़ हाज़िरीन जे मनोरंजन लाइ जदा जुदा तमाशा ऐं करतब ड़ेखारींदो आहे। ब़ारनि खे खिलाइण लाइ हू कलाबाज़ियूं ड़ींदो आहे। जुवाननि खे रीझाइण लाइ ब़ियनि कलाकारनि सां शरारत कंदो अहे, त वरी वड़िड़नि जी विंदुर लाइ गंभीर गुफ़्तगू कंदो आहे। जोकर हिकु अहिड़ो लाजवाब अदाकार आहे, जो हिक ई वक़्ति उबतड़ि जज़िबा कामियाबीअ सां ज़ाहिर करे सघंदो आहे। जीअं त हिक पल में रुअणु त ब़िए पल में ब़धा टहक ड़ियणु। साग़िए वक़्ति हिक कलाकार ते सख़्तु ग़ुसो त ब़िए लाइ दिली प्यार जो इज़हार करे सघंदो आहे। मतलब त लोभ ऐं त्याग़, भउ ऐं बहादुरी, गंभीरता ऐं चंचलता, मज़ाक ऐं तंज़, फूहड़ाइप ऐं बुर्दबारीअ जा भाव ज़ाहिर करण में हिन जो सानी ब़ियो को न मिलंदो।

इएं न आहे त जोकर जे मन में दुख, दर्द, आशा, निराशा ऐं चिंताऊं तनाव नथा थियनि, पर हीउ ऑला अदाकार उन्हनि जज़िबनि जो पूरो अहसास रखंदे बि उन्हनि खे लिकाए, हाज़िरीन जो मुकमल मनोरंजन करे थो।

जोकर असां खे पंहिंजे करतब सां अणसिधे नमूने अनेक सिखियाऊं ॾिए थो। जीअं त ॿिए कंहिं ते न खिली, पंहिंजो पाण ते खिलणु, अंदर जी जज़्बात ते ज़ाबितो रखी ज़रूरतुनि ऐं वक़्त मूजिबु उन्हनि जो भरपूर इज़्हार करण जी हमेशा पंहिंजे आसपास ख़ुशीअ जो वायुमंडल पैदा करणु, ॿियनि खे खिलाए विंदुराए संदनि ख़ूब ख़ून वधाए, तन ऐं मन खे सिहतमंद रखणु।

सचु पचु असीं जेकॾहिं पंहिंजी रोज़ानी ज़िंदगीअ में जोकर जे सुभाव ऐं वहिंवार खे अपनायूं त न सिर्फ़ असीं ख़ुशि रहंदासीं पर चौतरफ़ तंदुरुस्ती ऐं मित्रता जो माहौल माणींदासीं।

7.2 अचो त समुझूं

केरु बि न चाहींदो त तव्हां खे ॾिसी दुनिया खिले पर हिकु माण्हू चई सघंदो आहे "मां वॾो थी, हिकु जोकर बणिजी, दुनिया जो मनोरंजन कंदुसि, जीअं दुनिया मूं ते खिले।" इहो चवण लाइ वॾी सहन शक्ती खपे। जोकर याने मसखिरो। जोकर बणिजणु हिक कला आहे। हिन जे रंगमंच ते घिड़ण सां ई खिल जो टहिकिड़ो मची वञे थो। ही सर्कस में कम करे थो ऐं हर उदास खे खिलाए थो। हीउ ॿार, ॿुढे, जुवान, हर कंहिं जो मनपसंद कलाकार आहे। ॿारनि खे सभ खां वधीक वणंदो आहे। हुन जा वेस वॻा, मेकअप, शंकु टोपी, लंबा बूट, नक ते चढ़ियल टोटी, सूंहं, चपल लफ़्ज़, चेहरे जा हावभाव ऐं हर अदा लुभाईंदड़ आहे। जीवन में खिलणु बि ज़रूरी आहे, खिल जहिड़ी ख़ोराक ई कान्हे। खिलण सां शरीर खे शक्ती ऐं फुड़िती मिले थी। उदास ऐं ग़मग़ीन माण्हुनि खे खिलाए, हिन खे जेको सुकून मिलंदो आहे, सो सुर्ॻ जे कल्पित सुख खां बि वधीक आहे। जोकर खे ॾिसी लॻंदो आहे त ईश्वर असां खे खिलाइण लाइ ई जोकर खे दुनिया में पैदा कयो आहे।

जोकर जो किरदार तमाम ललकार भरियो आहे। जोकर जी ज़िंदगीअ में बि कष्ट कशाला, ॾुख थी सघनि था पर जॾहिं हू मंच ते ईंदो आहे त पंहिंजा सभु दुख दर्द, तकलीफ़ूं विसारे हू पंहिंजे किरदार में पूरी जानि विझी छॾींदो आहे। उन जे चेहरे ते को बि अहिड़ो हाव भाव न ईंदो आहे, जंहिं मां दुख जो इज़्हार थिए। जोकर पाण दुखी हूंदे बि दर्शकनि खे अजीब अजीब करतबनि ज़रीए खिलाए ख़ुशि करे थो।

सबक़ बाबत सुवाल 7.1

1. ख़ाल भरियो :

(i) सजे ..... में ख़ुशीअ जी लहर छांइजी वञे थी।

(ii) बारनि खे खिलाइण लाइ हू ..... डींदो आहे।

(iii) इन्हीअ दिलचस्प ..... खे चवंदा आहिनि मसख़िरो या जोकर।

(iv) वड़िड़नि जी विंदुर लाइ गंभीर ..... कंदो आहे।

(v) जोकर असांखे पंहिंजे ..... मां अणसिधे नमूने अनेक सिखियाऊं ड़िए थो।

2. हेठि ड़िनल ज़िदनि जा जोड़ा मिलायो :

(i) ऑला	(अ) अणसिधे
(ii) अंदर	(ब) सुबतड़ि
(iii) उबतड़ि	(स) बाहिर
(iv) सिधे	(द) अदिना

मशिगूलियूं 7.1

(1) बार घर में जोकर जी एक्टिंग तैयार करे स्कूल में रोल प्ले कराईनि।

तव्हीं छा सिखिया

- कलाकार जो क़दुरु ऐं सनमान करण घुरिजे।
- पंहिंजी दिलचस्पीअ खे पंहिंजो हुनुरु बणाइजे।

- माण्हूअ खे संदसि जी कृत कारि जे आधार ते न पर नेक गुणनि जे आधार ते अहमियत ड्यिणु घुरिजे।
- हरिको माण्हू कंहिं न कंहिं सिफ़ति सां भरियल आहे, जेका हुन खे को रोज़गार जो वसीलो ड्यिए थी।

वधीक ज्ञाण

सर्कस में जोकर जे रूप में कमु कंदड़ नामियारा माण्हू वधीक कोन आहिनि। वक़्त मूजिबु सर्कस जो चलन बि घटियल आहे। सर्कस जी जाइ ते सिनेमा, दूरदर्शन ऐं मोबाईल जो वाहिपो वधियल आहे। हाणे माण्हू विदेशी कलाकारनि खे ड्यिसणु वधीक पसंद कनि था। Charlie Chaplin, Laurel Hardy, Mr. Bean त लासानी कलाकार आहिनि।

सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब थोरे में लिखो :

(i) जोकर जे टोपले, क़द ऐं वेस वग़े बाबत अव्हांखे कहिड़ी ख़बर आहे?

(ii) जोकर खे दिलचस्प किरदार छो चवंदा आहिनि?

(iii) जोकर सर्कस में कहिड़े अंदाज़ में ज़ाहिर थिए थो?

(iv) जोकर ब़ारनि, जुवाननि ऐं वड्यिड़नि खे कीअं विंदुराईंदो आहे?

(v) जोकर हिक ई वक़्ति कहिड़ा अलग़ जज़िबा कामियाबीअ सां पेश करे सघंदो आहे?

(vi) जोकर पंहिंजे करतबनि मां अणसिधे नमूने कहिड़ी सिखिया ड्यिए थो?

(vii) पूरे सबक़ जो तातपुर्जु लिखो।

2. व्याकरण :

(i) हेठियनि लफ़्ज़नि जा ज़िद ठाहियो :

वफ़ादार, अकुलमंद, सस्तो, अर्श

(ii) हेठियनि लफ़्ज़नि जी माना लिखो :

ऑला, तनिज़, बुर्दबार, विंदुर

(iii) हेठि डि॒नल इस्तलाहनि जी माना लिखी जुमिला ठाहियो :

गदगद थियणु, दादु डि॒यणु, ब॒धा टहिक डि॒यणु, ख़ुशीअ जी लहिर छांइजणु

3. हेठि डि॒नल सिट पढ़ी सुवालनि जा जवाब डि॒यो :

''जोकर असांखे पंहिंजे करतब सां अणसिधे नमूने अनेक सिखियाऊं डि॒ए थो।''

(i) व्याकरण मूजिबु 'असां' ..... आहे। (इस्मु, ज़मीरु, ज़र्फ़ु)

(ii) कहिड़ो लफ़्ज़ु 'अदद जमउ' आहे?

(iii) 'पंहिंजो' लफ़्ज़ जो ज़िदु लिखो।

(iv) व्याकरण मूजिबु 'डि॒ए थो' ..... आहे। (हर्फ़ निदा, फ़इलु, ज़मीरु)

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) माहौल (ii) कलाबाज़ियूं (iii) किरदार
   (iv) गुफ़्तगू (v) करतब
2. (i) ऑला - लासानी
   (ii) अंदर - ब॒ाहिर
   (iii) उबतड़ि - सुबतड़ि
   (iv) सिधे - अणसिधे

नवां लफ़्ज़

- माहौल = पसगरदाई
- सिहतमंद = तंदुरुस्त
- गुफ़्तार = ग़ाल्हाइणु
- गंभीरता = संजीदगी

- घिरघिलो = ढिलो
- निराला = अनोखा
- हरकतूं = खेचल
- जामिड़ो = बिंदिरो
- किरदार = पात्र
- गदगद थियणु = ख़ुशि थियणु
- दादु डियणु = साराह करणु
- गंभीर = देरीनो
- रीझाइणु = परिचाइणु
- बधा टहिक डियणु = ज़ोर सां खिलणु
- ख़ुशीअ जी लहिर छांइजणु = माहौल ख़ुशिनुमा थियणु
- चंचलता = हरकत
- तनिज़ = ठठोली
- फूहड़ाइप = हलकिड़ाइप
- बुर्दबार = गंभीर
- सानी = बराबरी करण वारो
- ऑला = वड्डो
- मुकमिल = सम्पूर्ण
- करतब = कमु
- विदुंर = मनोरंजन

8

शहीद प्रेम रामचंदाणी

असां भारतवासी आहियूं। तव्हां खे ख़बर आहे त असां जो देश 15 आगस्ट 1947 ई. ते अंग्रेज़नि जी ग़ुलामीअ खां आज़ाद थियो। आज़ाद थियण खां पोइ देश जो बिनि भाङनि में विरहाङो थियो। हिंदुस्तान ऐं पाकिस्तान। छा तव्हां खे ख़बर आहे त पाक बि असां ते हमलो कयो हो? असांजे वीरनि बहादुरनि उन सां कीअं मुकाबिलो कयो? अचो त हिन बैत (सबक़) जे ज़रीए असांजे शहीदनि जे बारे में ऐं शहीद प्रेम रामचंदाणीअ जे बारे में जाण हासिल करियूं।

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- सिपाहियुनि खे कहिड़ियुनि मुसीबतुनि जो मुक़ाबिलो करिणो पवे थो, इन्हीअ बारे में जाण हासिल करण लाइ किताब हथि करे पढ़नि था;
- कंहिं दर्सी मवाद खे पढ़ाईअ जे दरमियान समुझण जे लाइ ज़रूरत पवण ते पंहिंजे कंहिं साथीअ या उस्ताद जी मदद वठी, कमि आंदल हवाला सामग्रियुनि जहिड़ोकि लुग़त, नक़शनि, इंटरनेट या बियनि किताबनि जी मदद वठनि था;
- अलग अलग मकानी ऐं समाजिक घटनाउनि बाबत पंहिंजो दलीली रदअमल डियनि था।

8.1 बुनियादी सबक़ु

पतंग प्रेम ज़िंदह तूं रहंदें सदाईं
मरी मुल्क लाइ कयुइ तो जीवन सजाई।

(1)

कई पाक हिंद ते अचानक चढ़ाई
थियो सड़ु वतन जो तोखे तार आई
हलियो अचु हलियो अचु वतन जा सिपाही
अची करि बचा दुश्मन जी तबाही
पतंग प्रेम ज़िंदह तूं रहंदें सदाईं।

(2)

बुधी सड़ु वतन जो न निंड तोखे आई
छड़े घर तूं निकितें, थिएं सरहद डे राही
अड़ो सरगोदा जो हो पाक जो दर
बमनि जी तो बरसात तंहिं ते वसाई
पतंग प्रेम ज़िंदह तूं रहंदें सदाईं।

(3)

कया हौसला ख़ता तो दुश्मननि जा
डकी विया डिसी वार तुंहिंजे बमनि जा
अची शेर वियो जणुकि हाथियुनि जे झुंड में
रिथियल पाक जी रिथ मिटीअ में मिलाई
पतंग प्रेम ज़िंदह तूं रहंदें सदाईं।

(4)

करे वार वापस तूं आएं मिठा जीअं
उते गोलियूं तो ते वसायूं तीअं
आई गोली हिक काल जो रूप धारे
विएं मुड़िस मांझी डेई तूं जुदाई
पतंग प्रेम ज़िंदह तूं रहंदें सदाईं।

(5)

शहादत जो पीतो तो पुर जाम जाणीं
शहादत में तुंहिंजो को नाहे सानी
कंदें रखिया हिंद जी कुर्बान थी वएं
वतन लाइ सिर जी तो बाज़ी लगाई
पतंग प्रेम ज़िंदह तूं रहंदें सदाईं।

8.2 अचो त समुझूं

देश जे आज़ादीअ जी हलचल में केतिरनि ई सिंधी सूरवीरनि बहिरो वरितो। आज़ादीअ जी जंगि में केतिरनि ई पंहिंजी जानि जी कुर्बानी कई। देश जे आज़ादीअ खां पोइ बि जड़हिं विदेशी ताक़तुनि जा हमला थिया त देश जे सैनिकनि उन खे मुंहुं टोड़ जवाब डिनो। केतिरा ई बहादुर शहीद थी विया। शाइर हिन बैत में अहिड़े ई हिक महान शहीद सिंधी सपूत प्रेम रामचंदाणीअ जी सूरवीरता जी वाखाणि कई आहे।

पतंग प्रेम ज़िंदह ..... सजाई।

प्रेम जा परवाना, तूं हमेशह ज़िंदह रहंदें ऐं शहीद तो मुल्क लाइ जीवन कुर्बान करे पंहिंजो जीवन सफल बणायो आहे।

(1) कई पाक हिंद ..... रहंदें सदाईं।

जड़हिं पाकिस्तान, हिंदुस्तान ते अचानक हमलो कयो, तड़हिं देश जे सिपाहियुनि खे कोठ थी। तोखे बि सड़ु आयो त अची वतन जी रक्षा करि ऐं दुश्मननि जी तबाही आणि। अची देश जे सरहद ते रक्षा करि। ए देश प्रेमी तूं सदा ज़िंदह रहंदें।

(2) बुधी सड़ु वतन जो ..... रहंदें सदाईं।

जड़हिं तो सड़ु बुधो सरहद ते लड़ण जो, तुंहिंजी निंड फिटी पेई ऐं तूं सरहद डांहुं निकिरी पिएं। तुंहिंजो मक़सद हो पाक खे हाराइणु। तो उन्हनि मथां बमनि, बारूदनि जे गोलनि जी बरसात वसाई ऐं दुश्मननि खे मारे छड़ियो। ए देश जा सिपाही तूं हमेशह ज़िंदह रहंदें।

(3) कया हौसला ख़ता तो ..... रहंदें सदाईं।

तो दुश्मननि ते हमला करे, उन्हनि जा हौसला ख़ता करे छड्डिया। हू तुंहिंजे हमलनि करे भज़ी निकिता। तुंहिंजे बमनि जे हमलनि सां डकी विया ऐं समुझण लग़ा त कोई शेर हाथियुनि जे झुंड में अची वियो आहे। इन तरह पाकिस्तान जी रिथियल योजना ते पाणी फिरी वियो, संदसि योजना नाकामियाब थी वेई। ए देश जा नौजवान सिपाही तूं हमेशह ज़िंदह रहंदें।

(4) करे वार वापस ..... रहंदें सदाईं।

जड्हिं तूं वार करे आएं त उन्हनि बि तो ते गोलियूं वसायूं। उन्हनि गोलियुनि मां हिक गोली तुंहिंजो काल बणिजी आई ऐं तुंहिंजे सीने खे चीरींदी वेई। ए जोधा जुवान तूं असां खां विछुड़ी विएं ऐं देश लाइ क़ुर्बान थी विएं। देश जा प्रेमी परवाना, तूं हमेशह ज़िंदह रहंदें।

(5) शहादत जो पीतो ..... रहंदें सदाईं।

ए शहीद! तो शहादत जो जाम पीतो आहे। अहिड़ी शहादत में तुंहिंजी को बराबरी नथो करे सघे। तूं देश जी रक्षा कंदे कंदे पंहिंजी जानि डेई वेठें। तो वतन लाइ पंहिंजी जानि बि क़ुर्बान करे छड्डी, पंहिंजो सिरु बि डेई वेठें। अहिड़ो सपूत देश प्रेम जो परवानो, शहीद हमेशह ज़िंदह रहंदो।

सबक़ बाबत सुवाल 8.1

1. बैत मां लफ़्ज़ गोल्हे हेठियां ख़ाल भरियो :

(i) थियो सड्डु ..... जो तोखे तार आई।

(ii) छड्डे घर तूं निकितें, थिएं ..... डे राही।

(iii) डकी विया डिसी ..... मुंहिंजे बमनि जा।

(iv) आई गोली हिक ..... जो रूप धारे।

(v) ..... में तुंहिंजो को नाहे सानी।

(vi) पतंग प्रेम ..... तूं रहंदें सदाईं।

2. सही जवाब चूंडे ब्रेकेट में लिखो :

(i) मुल्क लइ मरी पंहिंजी जीवन सजाई कनि था :

(अ) अंग्रेज़ (ब) शहीद

(स) दुश्मन (द) प्रेमी ( )

(ii) वतन जा ..... दुश्मननि जी तबाही मचाईनि था :

(अ) सिपाही (ब) वापारी

(स) अदाकारी (द) कांइर ( )

(iii) अचानक हिंद ते कंहिं चढ़ाई कई :

(अ) चीन (ब) रूस

(स) पाक (द) अमेरीका ( )

(iv) हीअ कवीता कहिड़े शहीद जे बारे में आहे :

(अ) हेमूं कालाणी (ब) संत कंवरराम

(स) आचार्य कृपलाणी (द) प्रेम रामचंदाणी ( )

मशिगूलियूं 8.1

(1) शहीद प्रेम रामचंदाणीअ जो फोटो पंहिंजे आलबम में लगायो।

(2) सिंधी शहीदनि जे बारे में जाण डींदे कवीताऊं जोड़ियो।

तव्हीं छा सिखिया

हिन कवीता (बैत) में शहीद प्रेम रामचंदाणीअ जे बारे में बुधायो वियो आहे त कीअं देश ते जड़हिं पाक हमलो करे थो त हू सरहद ते वञी देश जी रक्षा करे थो ऐं दुश्मननि ते बमनि जी बरसात करे थो त दुश्मन भजी निकिरनि था पर हू गोलियूं हलाईनि था, तंहिं मां हिक गोली काल बणिजी संदसि जीवन बि क़ुर्बान करे छड़े थी ऐं हू देश लाइ शहीद थी वञे थो। अहिड़ा हुआ सिंधी सपूत, जिनि पंहिंजे

जीवन जी परवाह न करे बि दुश्मननि जो मुक़ाबिलो कयो ऐं पंहिंजी ज़िंदगी क़ुर्बान करे छडी।

असां खे बि पंहिंजो जीवन देश प्रेम ऐं उन जी रक्षा करण में लगाइणु घुरिजे।

"जीअणु भलो आहे उन्हनि जो, जे जीअनि था बियनि लाइ,
मरण भलो आहे उन्हनि जो, जे जीअनि था पाण लाइ।"

वधीक ज़ाण

सिंधियुनि जी वीरता ऐं कुर्बानियुनि सां शूरवीरनि जो इतिहास भरियो पियो आहे। हक़ीक़त में भारत जी आज़ादीअ लाइ सभ खां वधीक सिंधियुनि पंहिंजो प्यारो प्रदेश सिंधु छडे डिनो। देश जी आज़ादीअ लाइ एडी वडी कुर्बानी, एतिरो वडो त्यागु विरले नज़रि ईंदो।

भारत जे आज़ाद थियण बइदि पिण सिंधी शूरवीरनि देश जे सरहदुनि जो बचाव कंदे, दुश्मन सां लड़ाई कंदे, जानि जूं कुर्बानियूं डिनियूं। हू मुर्कंदें मुर्कंदें क़ुर्बान थी वियो ऐं पंहिंजे सिंधी समाज जो मानु मथे करे वियो। 1965 ई. में भारत पाकिस्तान जे लड़ाईअ वक़्ति सिंधी शूरवीर प्रेम रामचंदाणीअ पंहिंजो पूरो जलवो डेखारियो, दुश्मननि जा होश गुम करे छडिया, डंद खटा करे छडिया। हिन शूरवीर जे जोश ऐं जज़्बे जी संदसि आफ़ीसरनि बि साराह कई। पाकिस्तान जे बदीन हवाई अडे ऐं बॉर्डर खे नेस्त नाबूद कंदे पंहिंजी शहादत सां लासानी कुर्बानी डिनी ऐं हमेशह लाइ अमर थी वियो। जंहिं लाइ सिंधी समाज खे फ़खुरु रहंदो।

सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

(i) प्रेम रामचंदाणीअ कहिड़ीअ रीति जीवन सफलो कयो?

(ii) प्रेम दुश्मननि जा हौसला कीअं ख़ता कया?

(iii) प्रेम कीअं अमर थियो?

(iv) हिन कवीता जो सारु पंहिंजनि लफ़्ज़नि में लिखो।

(v) प्रेम रामचंदाणीअ में कहिड़ा कहिड़ा गुण हुआ?

2. हेठि ड्रिनल सिटुनि जो नसुरी रूप लिखो :

मिसालु : कई पाक हिंद ते अचानक चढ़ाई।

जवाबु : पाक हिंद ते अचानक चढ़ाई कई।

(i) करे वार वापस जूं आएं मिठा जीअं।

(ii) शहादत जो पीतो तो पुर जाम जाणीं।

(iii) बुधी सड़ु वतन जो न निंड तोखे आई।

(iv) कया हौसला ख़ता जो दुश्मननि जा।

3. हम-आवाज़ी लफ़्ज़नि जा जोड़ा मिलायो :

(i) जीअं	(अ) लाही
(ii) चढ़ाई	(ब) लड़ु
(iii) हिंद	(स) तीअं
(iv) सड़ु	(द) सिंधु

4. मुनासिब मुतबदल जवाब चूंडियो :

(i) 'प्रेम' लफ़्ज़ ज माना-

(अ) प्यारु (ब) नफ़रत

(स) धिकारु (द) तिरसकारु ( )

(ii) 'वतन' सां अण-ठहिकंदड़ु लफ़्ज़ु गोल्हियो-

(अ) शहर (ब) देश

(स) मुल्कु (द) राष्ट्र ( )

(iii) 'दुश्मन' जो ज़िदु-

(अ) वेरी (ब) दोस्तु

(स) नाकामियाबु (द) कामियाबु ( )

(iv) 'शेर' जो बि॒यो मतलब–

(अ) बाघ (ब) शहरु

(स) झंगल (द) गो॒ठु ( )

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) वतन (ii) सरहद (iii) वार
   (iv) काल (v) शहादत (vi) ज़िंदह
2. (i) (ब) (ii) (अ)
   (iii) (स) (iv) (द)

नवां लफ़्ज़

- वतन = मुल्क
- वार = हमलो
- पतंग = परवानो
- जाम = शराब
- सरहद = सीमा, हद
- सानी = बराबर
- झुंडु = मेड़ु
- रिथ = योजना
- तबाही = बर्बादी
- शहादत = क़ुर्बानी
- रक्षा = हिफ़ाज़त

9

टे नंढियूं आखाणियूं

आखाणियूं बुधाइण जो फ़नु काफ़ी पुराणो आहे। अगु में डाड़ियूं नानियूं वड़िड़ियूं रात जे वक़्त ते बारनि खे आखाणियूं बुधाईंदियूं हुयूं। आखाणियूं मन विंदुराइण सां गडु मनोरंजन, इख़्लाकु, नीति, मर्यादा सेखारण सां गडु नसीहत आमेज़ ऐं ज्ञान जो भंडार हूंदियूं आहिनि। आखाणियुनि ज़रीए बारनि में सुठनि संस्कारनि जी घड़ति थिए थी, बुद्धी तेज़ बणिजे थी ऐं जीवन वहिंवार में हथी मिले थी। आखाणियूं पढ़ाईअ सां गडु दुनिया में हलण चलण जी सूझ बूझ पैदा कंदियूं आहिनि ऐं आत्म विश्वास पैदा कंदियूं आहिनि। दुनिया जे हर इलाइक़े जी बोलीअ, धर्म, मज़हब ऐं पंथ में आखाणियूं हूंदियूं आहिनि। आखाणियुनि जा जुदा जुदा क़िस्म थींदा आहिनि। आखाणियुनि में जानवर, पसूं, पखी, इंसान वग़ैरह किरदार थियनि था। विंदुर ऐं लोक कल्याण लाइ आखाणियूं लिखियूं, पढ़ियूं ऐं बुधायूं वेंदियूं आहिनि। पढंदड़नि जे दिलियुनि ते उहे गहरो असर छड़ींदियूं आहिनि।

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- विंदुर, मनोरंजन सां गडु इख़्लाक़ी लफ़्ज़नि जी जाण हासिल करे, जुमिलनि में कमि आणीनि था;
- नंढियुनि नंढियुनि आखाणियुनि जो ज्ञान हासिल करे, आखाणियूं लिखनि था;
- कंहिं दर्सी मवाद जी बारीकीअ सां जाच कंदे, उन में कंहिं ख़ासि नुक़्ते खे गोल्हीनि था।

9.1 बुनियादी सबक़ु

1. डीए जी रोशनी

डियारीअ जी रात जो हिक माईअ डीअनि में तेल ऐं वटियूं विझी, उहे बारण लाइ तयार करे रखिया ऐं पोइ माचीस खणी हिकिड़ो डीओ बारियाईं ऐं पोइ उन रोशन बरियल डीए मां बिया डीआ बारे रही हुई। डीआ बारींदे बारींदे संदसि हथ वारो डीओ, बरियल डीअनि जूं क़ितारूं डिसी सोचण लगो, "मारि! मूं में एडी शक्ती समायल आहे, जो वञां थो हेडनि डीअनि खे रोशन कंदो।" एतिरे में तेज़ हवा लगी ऐं माईअ जे हथ वारो डीओ विसामी वियो। माईअ यकिदमु बिए बरियल डीए मां उहो हथ वारो विसामियल डीओ बारे, बाकी रहियल डीआ बारणु शुरू कया। हाणे उन डीए महसूस कयो त संदसि जहिड़ी जोति बियनि डीअनि में समायल आहे। हिन अजायो पिए पाण ते अभिमान कयो।

2. ब बूंदूं

हिकिड़े बादल मां ब बूंदूं हेठि किरियूं। हिकिड़ी बूंद सिप जे वात में वेई ऐं मोती थी पेई। बी बूंद अची ज़मीन ते किरी। हिन बूंद दिल ई दिल में अफ़सोस कंदे चयो, "हे प्रभू, एडो तफ़ावत छो? मां बि त हिन बूंद जहिड़ी आहियां।" प्रभू इहो बुधी मुशिकियो। सिप वारी बूंद जेका मोती थी पेई हुई, तंहिं खे हिक स्त्रीअ गहिणो करे पातो।

बी बूंद जेका ज़मीन ते किरी हुई, तंहिं मां अनाज पैदा थियो। उहो अनाज सारे जगत पेट भरे खाधो। इहो डिसी ज़मीन ते किरियल बूंद जो दुख दूर थी वियो।

3. पनु ऐं पनो

हिकिड़े वण जो पनु अची ज़मीन ते किरियो। उते हिकिड़े किताब जो पनो बि पियो हो। वण जे पन, किताब जे पने खे चयो, ''डि॒सु भाई, मुंहिंजी हालत बि तो वांगुरु थी आहे। जीअं तूं पंहिंजे किताब जे पननि खां जुदा थी हिते अची पियो आहीं, तीअं मां बि टारीअ खां जुदा थी हिते पियो आहियां।'' किताब जे पने चयो, ''तूं मूंखे पाण सां छो थो भेटीं? तुंहिंजी क़ीमत केतिरी? हिते को विद्वान अचे त तोखे पाणेही ख़बर पइजी वञे त मां कहिड़ी चीज़ आहियां। एतिरे में वण जे हेठां हिकिड़ो विद्वान अची वेठो। जल्दी संदसि नज़र किताब जे पने ते पेई। हुन पनो हथ में खंयो ऐं पढ़ण लगो। उन वक़्ति पने खिलंदे वण जे पन खे चयो, ''डि॒ठुइ, क़दुरु थियण वारे जो क़दुरु पंहिंजो पाणेही थींदो आहे। तो में ऐं मूं में इहो ई फ़र्कु आहे।''

वण जो पनु सबुर सां किताब जे पने खे बु॒धंदो रहियो। जेको विद्वान किताब जे पने खे चाह सां पढ़ी रहियो हो त हू आखाणी पढ़ंदे गु॒से में अची वियो ऐं भुणि भुणि करण लगो, ''आखाणी बि कडु॒हिं हीअं लिखिबी आहे?'' इएं चई यकिदमु पने खे हथ जी मुठि में मरोटे सरोटे ज़ोर सां खणी परे उछिलायाईं ऐं उहो पनो वण जे उन्हीअ सागि॒ए पन मथां अची किरियो। किताब जे पने जो सजो॒ अभिमान दूर थी वियो।

9.2 अचो त समुझूं

असांजी सिंधी बो॒लीअ में बि॒युनि भारतीअ बो॒लियुनि जियां जुदा जुदा क़िस्मनि जूं आखाणियूं आहिनि। हिन सबक़ में टे नंढियूं आखाणियूं बहितरीनि ऐं कारगर सिखिया सां माना छडा॒ईनि थियूं। हिननि आखाणियुनि में डी॒ओ, वणु, बरसात, बूंदूं, किताबु, पनु वग़ैरह आखाणियुनि जा किरदार आहिनि। ही टेई आखाणियूं जीवन खे कारगर ऐं सुखी बणाइण जे आदर्श मक़सद सां भरपूर आहिनि। आखाणियूं आदर्श ज्ञान जो भंडार आहिनि। भली नंढियूं आहिनि पर जीवन में आत्म विश्वास जागा॒इण ऐं वधाइण

में मददगार आहिनि। हिननि आखाणियुनि में जाणायल आहे त कड़हिं बि अभिमान न कजे, कंहिं बिए सां रीस न कजे ऐं न वरी कंहिं खे पाण खां घटि समुझिजे। इहे जीवन में सुख ऐं सफलता जा हासिल करण जा डाका आहिनि। इन्हनि गुणनि मां बारनि, इंसाननि में अख़्लाक़ सां गड़ु नीति मर्यादा ऐं उन्हनि जी शख़्सियत में वाधारो थिए थो। आखाणियुनि जी भावना, मक़्सद जीवन जी कुंजी आहे।

तव्हां खे त आखाणियूं वर्णंदियूं ई आहिनि। के आखाणियूं सिर्फ़ खिलाईंदड़ हूंदियूं आहिनि, किनि आखाणियुनि में देश प्रेम ऐं देश भगतनि जी जीवनी हूंदी आहे। हिन सबक़ में डिनल आखाणियूं सिखिया जो संदेश डींदड़ आहिनि। मिसालु 'डीए जी रोशनी' आखाणीअ में हिकु डीओ पाण खे सभिनी खां ताक़त वारो समुझे थो, पर आख़िर में खेसि समुझ में अचे थो त सभिनी डीअनि में साग़ी जोति समायल आहे। हिन नंढिड़ी आखाणीअ में वड़ी सिखिया समायल आहे त असीं सभु हिक जहिड़ा आहियूं, को नंढो वड़ो न आहे।

बीं आखाणी 'ब बूंदूं' में ज़मीन त किरियल बूंद खे दुखु थो थिए। पर पोइ जड़हिं उन्हीअ बूंद मां अनाज उपजी सारे जगत खे मिले थो त खेसि पंहिंजी अहमियत जो अहसास थिए थो। इन्हीअ मां सिखिया मिले थी त दुनिया में हर शइ, हर इंसान जी पंहिंजी अहमियत आहे, पंहिंजो दर्जो आहे।

टीं आखाणीअ में 'पनो ऐं पन' विच में गुफ़्तगू आहे। पने खे अभिमान आहे। पनु निमाणो आहे। आख़िर में पने जो अभिमान टुटे थो। इहा आखाणी असां खे अभिमान न करण जी सलाह डिए थी।

सबक़ बाबत सुवाल 9.1

1. हेठियनि सुवालनि मां सही जवाब चूंडे ब्रेकेट में लिखो :

(i) सिप में पियल बादल जी बूंद बणिजी पेई :

(अ) हीरो (ब) मोती

(स) नगीनो (द) चांदी ( )

(ii) विद्वान खे पनो पढ़ंदे छा ते गुसो आयो :

(अ) मज़मून ते (ब) कवीता ते

(स) लेखक ते (द) आखाणीअ ते ( )

2. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

(i) हथ वारे ड्रीए छा सोचियो?

(ii) हथ वारे ड्रीए जो अभिमान कीअं टुटो?

(iii) सिप वारी बूंद खे स्त्रीअ छा करे पातो?

(iv) ज़मीन ते किरियल बूंद जो दुख कीअं दूर थियो?

(v) किताब जे पने वण जे पन खे छा चयो?

(vi) विद्वान किताब जे पने जो छा कयो?

3. सही (✓) या ग़लत (×) जा निशान लग्रायो :

(i) ड्रियारीअ जी रात माईअ ड्रीअनि में घी ऐं वटियूं विझी ब्रारण लाइ तैयार कया। ( )

(ii) माईअ फूक सां ड्रीओ विसायो। ( )

(iii) ज़मीन ते किरियल बूंद मां अनाज पैदा थियो। ( )

(iv) वण जे हेठां हिकिड़ी औरत अची बीठी। ( )

(v) किताब जे पने जो सज्रो अभिमान दूर थी वियो। ( )

मशिग़ूलियूं 9.1

(1) घर में ड्राड्री नानीअ खां आखाणियूं ब्रुधो।

(2) आखाणियुनि जा किताब पढ़ो।

(3) आखाणियुनि जे किनि बि ब्रिनि किताबनि या मैग़ज़िन जा नाला लिखो।

तव्हीं छा सिखिया

- आखाणियूं जीवन संवारींदियूं आहिनि।
- आखाणियूं सुठा संस्कार डियनि थियूं।
- कडहिं बि कंहिं गाल्हि ते अभिमान न करण घुरिजे।
- कंहिं सां रीस या हूस न करण घुरिजे।
- कंहिं बि चीज़ खे घटि न समुझणु घुरिजे।
- आखाणियूं विंदुर ऐं मनोरंजन सां गडु ज्ञान जो भंडार आहिनि।

वधीक जाण

1. सिंधीअ में जुदा जुदा आखाणियुनि जा मजमूआ शाया थियल आहिनि। मसलन ईसप जूं, देश विदेश जूं, नानी डाडीअ जूं, पंचतंत्र जूं आखाणियूं। इहे नीति सिखिया जूं आखाणियूं आहिनि। इन्हनि में संस्कार ऐं संस्कृति शामिल आहे, जेका असांजी क़ौम लाइ अहम आहे।

2. **आखाणी लिखणु (Story Writing)**

आखाणी लिखणु मन खे वणंदड़ हिक विधा आहे। नंढपिण खां ई असीं आखाणियूं बुधंदा आया आहियूं। आखाणी बुधणु डाढी सवली आहे। आखाणीअ जो मज़ो बुधाइण वारे जे हाव भाव ते आहे। पर जेकडहिं आखाणी बुधाइण वारो पाण मुंधलु हूंदो आहे त आखाणी बेसूद थी पवंदी आहे। सागीअ रीति आखाणी लिखणु बि कला आहे।

आखाणी लिखण वक़्ति हेठि डिनल कुझु गाल्हियुनि जो ध्यान रखिबो त आखाणी दिल खे वणंदी।

- आखाणीअ जी शुरूआति सुठी हुजे।
- सागिया जुमिला ऐं वाक़्आ वरी वरी कमि न आणिजनि।
- बोली सवली, सलीस ऐं मिठी हुजे।

- इस्तलाहनि खे ज़रूरत मुताबिक़ कमि आणिजे।
- आखाणीअ मां मिलण वारी नसीहत ज़रूरु लिखिजे।
- आखाणीअ में अजाई डेघि न कजे।
- आखाणी आख़िर ताईं मन खे वणंदड़ हुजे।
- आखाणी हेठियनि चइनि आधारनि ते लिखिबी आहे :

(1) सिरे (शीर्षक) ते (2) इशारनि ते

(3) तस्वीरुनि ते (4) अधूरी आखाणीअ खे पूरो करण ते।

9.4 सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. ख़ाल भरियो :

(i) ..... खणी हिकिड़ो डीओ बारियाईं।

(ii) एतिरे में तेज़ ..... लगी।

(iii) हिकिड़े ..... मां ब बूंदूं हेठि किरियूं।

(iv) ही ..... एडो तफ़ावतु छो?

(v) तंहिं मां ..... पैदा थियो।

(vi) वण जे हेठां हिकिड़ो ..... अची बीठो।

2. हेठियनि लफ़्ज़नि खे जुमिलनि में कमि आणियो :

(i) बर्बादी (ii) बंदोबस्त

(iii) ज़ाइकेदार (iv) संदेश

3. जोड़ा मिलायो :

(i) मारि! मूं में एड्डी शक्ती समायल आहे	(अ) ऐं माईअ जे हथ वारो ड्डीओ विसामी वियो
(ii) एतिरे में तेज़ हवा लग्गी	(ब) ब्रियल ड्डीअनि जूं कतारूं ड्डिसी सोच में पइजी वियो
(iii) हाणे उन ड्डीए महसूस कयो त	(स) तंहिं मां अनाज पैदा थियो
(iv) हिकिड़ी बूंद जेका सिप जे वात में पेई	(द) संदसि जहिड़ी जोति ब्रियनि ड्डीअनि में आहे
(v) ब्री बूंद जेका ज़मीन ते किरी	(य) उहा मोती थी वेई

4. ब्रेकेट मां मुनासिब लफ़्ज़ चूंडे ख़ाल भरियो :

(रोशनी, शक्ती, बादल, ज़मीन, किताब)

सुनीता अज्ज़ ख़ुशि हुई। ..... ते वेही हुन पंहिंजे स्कूल जो हिकु .....

खोलियो ऐं पढ़ण लग्गी। अचानक ..... जी गजगोड़ थियण लग्गी, बरसात पवण लग्गी

ऐं घर जी बिजली बंद थी वेई। ..... न हुअण करे हुन किताब बंद कयो।

5. माना साग्गी रखंदे हेठियां जुमिला नाकारी बणायो :

मिसालु : राम ख़ुशिनसीब आहे।

जवाबु : राम बदिनसीबु आहे।

(i) असां खे हमेशा ख़ुशि रहणु खपे।

(ii) ग्गोठ में कुझु माण्हू अणपढ़ियल हुआ।

(iii) राम पंहिंजी भेण खां डिघो आहे।

(iv) सामान ग्गौरो हो।

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) (ब)

   (ii) (द)

2. (i) उन में शक्ती समायल आहे

   (ii) हवा लगु़ण ते

   (iii) गु़हिणो

   (iv) अनाज थियण ते

   (i) पाण सां भेटण लाइ

   (iv) मरोटे सरोटे ज़ोर सां उछिलायो

3. (i) ✗ (ii) ✗ (iii) ✓

   (iv) ✗ (v) ✓

नवां लफ़्ज़

- यकिदमु = बर वक़्त, हिकदमु
- अभिमान = घमंड
- विद्वान = ज्ञानी
- तफ़ावत = फ़र्कु

10

ख़तु

इंसान हिकु सामाजिक प्राणी आहे। संदसि ॿियनि सां राबितो थींदो ई रहंदो आहे। इंसान पंहिंजा वीचार, ख़्वाहिशूं, जज़्बात, घुरिजूं पूरियूं करण लाइ कंहिं न कंहिं राबिते जे माध्यम जो इस्तेमाल कंदो आहे। मिसालु फ़ोन करणु, ख़तु, ई-मेल, फैक्स, सोशल मीडिया वग़ैरह। गुज़िरियल दर्जे में तव्हां ख़तु लिखण जो ग़ैर-दस्तूरी नमूनो सिखियो आहे। अॼु असीं दस्तूरी ख़तु लिखण जो हिकु नमूनो ॾिसंदासीं।

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- इंटरनेट जे इस्तेमाल सां ई-मेल ज़रीए राबितो कनि था;
- दस्तूरी ऐं ग़ैर दस्तूरी ख़त में फ़र्कु समुझी, मुनासिब ॾाका इस्तेमाल करे ख़तु लिखनि था; इतिहासी ख़त ॻोल्हे, उन्हनि बाबत दोस्तनि सां ॻाल्हि ॿोल्हि कनि था।

10.1 ॿुनियादी सबक़ु

दस्तूरी ख़त जो नमूनो

तारीख़ :

वटां : सुरेश मोटवाणी,
दर्जो सतों,
क्लास मानीटर
दिल्ली।

डांहुं : हेड मास्तर,

आदर्श विद्यालय,

दिल्ली।

विषय : लाइब्रेरीअ में किताब वधाइण लाइ अर्ज़ु।

मानवारा साहिब,

मां सुरेश मोटवाणी, क्लास मानीटर तव्हांखे अर्ज़ु करियां थो त हेठि डि़नल विषय बाबत सोच वीचार करे जल्दु क़दम खणण जी इनायत कंदा।

चङनि बारनि जी शिकायत आहे त असांजे स्कूल में किताबनि जो अंदाज़ु तमाम घटि आहे, तंहिं खां सवाइ केतिरनि ई विषयनि ते किताब मुयसर ई न आहिनि। तव्हां खे निमाणो अर्ज़ु आहे त लाइब्रेरीअ में किताबनि जो अंदाज़ वधायो वञे ऐं जुदा जुदा विषयनि जा किताब घुराया वञनि। जीअं त सिंधी अदबु, विज्ञान, इतिहास, महान जीवनियूं।

जेकड़हिं मुमकिन हुजे त हेठि डि़नल लेखकनि जा किताब घुराया वञनि-

1. गोबिंद माल्ही
2. कीरत बाबाणी
3. नारायण श्याम
4. किशनचंद बेवस
5. हूंदराज दुखायल
6. पोपटी हीरानंदाणी
7. राम पंजवाणी
8. सुंदरी उत्तमचंदाणी
9. मोहन कल्पना
10. हूंदराज बलवाणी
11. दयाल आशा
12. मुरलीधर जेटले

उमेद आहे त तव्हां असां जे अर्ज़ बाबत ज़रूरु वीचार करे सभिनी शागिर्दनि जी भलाईअ जो जसु खटंदा।

सेवा में,

सुरेश मोटवाणी

10.2 अचो त समुझूं

अजु जे हिन तकनीकी ज़माने में ख़त जी हिक अलग़ अहमियत आहे। ई-मेल, एस.एम.एस, वाटस्-एप वग़ैरह वसीले राबिता थींदो रहे थो। पर इन्हनि में शख़्सी छुहाव जी ग़ैर मौजूदगी आहे। ख़त ज़रीए बिनि शख़्सनि विच में हिकु जज़्बाती रिश्तो क़ाइमु थिए थो। ख़त ज़रीए माण्हू पंहिंजा वीचार तफ़सील में ऐं चिटीअ तरह ज़ाहिर करे सघनि था। ख़तनि ज़रीए बोलीअ जो फहिलाव थिए थो। के ख़त त इतिहासी बणिजंदा आहिनि, जेके ईंदड़ पीढ़ियुनि लाइ आदर्श मिसाल बणिजंदा आहिनि। इन करे अजु जे ज़माने में बि ख़त जो मुल्हु नज़रअंदाज़ नथो करे सघिजे।

सबक़ बाबत सुवाल 10.1

1. सही जवाब चूंडे ब्रेकेट में लिखो :

(i) स्कूल जो नालो आहे :

(अ) विश्वेश्वर विद्यालय (ब) महात्मा गांधी विद्यालय

(स) आदर्श विद्यालय (द) वैदिक विद्यालय ( )

(ii) ख़तु लिखंदड़ जो नालो आहे :

(अ) सुरेश (ब) रमेश

(स) महेश (द) दिनेश ( )

(iii) लाइब्रेरीअ में मौजूद हूंदा आहिनि :

(अ) रांदीका (ब) किताब

(स) वण (द) भाजियूं ( )

(iv) ..... हिकु शाइरु आहे :

(अ) नारायण श्याम (ब) कीरत बाबाणी

(स) गोबिंद माल्ही (द) मुरलीधर जेटले ( )

मशिॻूलियूं 10.1

(1) तव्हांजे शहर जे पुलिस अमलदार खे औरतुनि जी हिफ़ाज़त वधाइण लाइ उपाव करण लाइ ख़तु लिखो।

(2) चैट जी.पी.टी. / इंटरनेट जी मदद सां इतिहासी ख़त हासिल करियो।

तव्हीं छा सिखिया

- दस्तूरी ख़त ऐं ग़ैर दस्तूरी ख़त में कहिड़ो फ़र्कु थींदो आहे।
- ख़त जी अहमियत तमाम घणी आहे।
- ख़तु वीचरनि जी ॾे वठु जो असिराइतो वसीलो आहे।
- ख़त जा जुदा जुदा क़िस्म हूंदा आहिनि।

वधीक ॼाण

ख़त जा ॿ क़िस्म हूंदा आहिनि- दस्तूरी ख़त ऐं ग़ैर दस्तूरी ख़त।

दस्तूरी ख़त (Formal Letters)

जॾहिं ॿिनि शख़्सनि जे विच में को रिश्तो नातो न हूंदो आहे, पर कंहिं कारण करे तिनि में वीचारनि जी ॾे वठु या कंहिं कम सबब ख़तु लिखिजे थो, उन ख़त खे दस्तूरी ख़तु चइजे थो। इन जा के मिसाल आहिनि :

दस्तूरी ख़त

1. स्कूल / कॉलेज जे प्रिंसीपाल ॾांहुं :

   (i) स्कूली मैग़ज़िन में लेख लिखण बाबत।

   (ii) क़ौमी सतह ते रांदि में खटण ते वाधायूं ॾींदे।

(iii) लइब्रेरीअ में नवां किताब घुराइण बाबत।

(iv) सिंधी सभ्यतिक क़्लब खोलण बाबत।

(v) ऑन लाईन फ़ी भरण बाबत।

2. पुलिस अधिकारीअ ड्रांहुं :

(i) मोबाईल चोरीअ जी रिपोर्ट लिखाइण बाबत।

(ii) पाड़े में ग़ैर समाजिक अनासरनि बाबत।

(iii) पाड़े में ग़ैर कानूनी अड्रावतुनि बाबत।

3. म्यूनिस्पल अधिकारीअ ड्रांहुं :

(i) जनम जो सर्टीफ़िकेट हासिल करण बाबत।

(ii) वधीक आयल पाणी-टैक्स घटाइण बाबत।

(iii) डेंगू चिकनगुनिया बीमारियुनि जे रोक बाबत।

4. अख़बार जे सम्पादक ड्रांहुं :

(i) नएं तालीमी सिरिश्ते जे ख़ासियतुनि बाबत।

(ii) समाज में शादियुनि ते थींदड़ ख़र्चनि बाबत।

(iii) वण लग्रायो / पाणी बचायो हलचल बाबत।

(iv) कालेज में डिवीज़न वधाइण बाबत।

5. दरख़्वास्त :

(i) नौकिरीअ बाबत।

(ii) बैंक में खातो बंद कराइण बाबत।

(iii) फ़ॉरेनि वीज़ा हासिल करण बाबत।

(iv) स्कूल में डिवीज़न वधाइण बाबत।

ग़ैर दस्तूरी ख़त

(i) दोस्त खे तालीम जी अहमियत समुझाइण बाबत।

(ii) वक़्त जी अहमियत समुझाईंदे।

(iii) सैर बाबत अहवाल डींदे।

(iv) हवाई जहाज़ में सफ़र जो आज़मूदो बुधाईंदे।

(v) तबियत बाबत हाल चाल बुधाईंदे।

(vi) चाचे खे सूखिड़ीअ बाबत शुक्रगुज़ारी मञींदे।

(vii) पंहिंजे नंढे भाउ खे कसरत जी अहमियत बुधाईंदे।

(viii) भारत जे न्यूक्लीअर शक्तीअ में हासिल कयल तरकीअ बाबत।

(ix) माउ खे मोकिलियल रक़म जी पुछा गाछा कंदे।

10.4 सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

(i) ख़तु कंहिं खे लिखियो वियो?

(ii) सुरेश मोटवाणीअ जो कहिड़ो पदु आहे?

(iii) चङनि बारनि जी कहिड़ी शिकायत हुई?

(iv) कहिड़ा किताब घुराइण लाइ अर्ज़ु कयल आहे?

(v) ख़त में ज़ाणायल किनि बि पंजनि लेखकनि / शाइरनि जा नाला लिखो।

2. हेठि ड़िनल सिटुनि में ज़ेरि लीक लफ़्ज़नि जो अद्दु बदिलाए जुमिला वरी लिखो :

(i) मूं काल्ह गोवर्धन शर्मा जो लिखियलु किताबु ख़रीद कयो।

(ii) रमेश पुलिस में शिकायतूं कयूं।

(iii) लेखक सभा में कहाणी बुधाई।

(iv) शहर में नओं स्कूल खुलियो।

3. ‘स्कूल’ सां लाग़ापो रखंदड़ लफ़्ज़ गोलनि में लिखो :

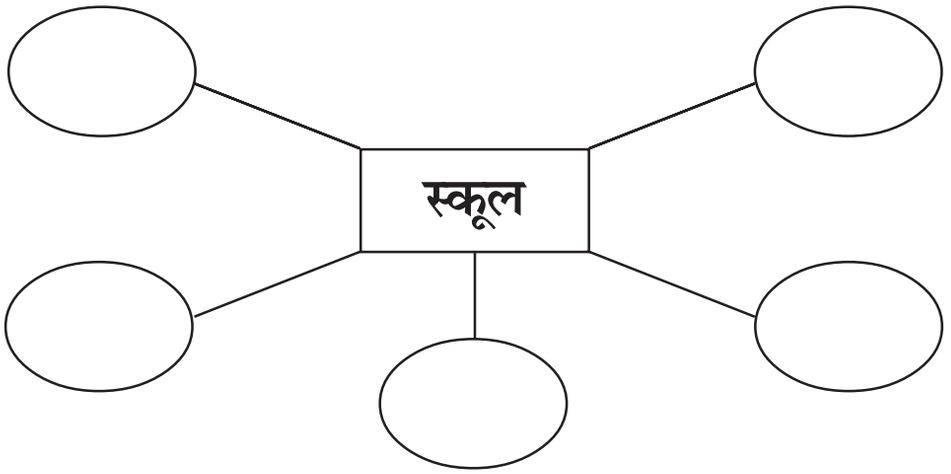

4. हेठि ड़िनल ख़ाको पूरो करियो :

ख़त जो विषय	ख़तु हासिल कंदड़ु	ख़त जो क़िस्मु (दस्तूरी / ग़ैर दस्तूरी)
मोबाईल चोरी थियण बाबत	पुलिस अमलदार	दस्तूरी
स्कूल जी पिकनिक लाइ मंज़ूरीअ बाबत		
समाज में वधंदड़ गुनाहनि बाबत		
इनामु खटण लाइ वाधायुनि बाबत		
एराज़ीअ में वरी वरी बिजली बंद थियण बाबत		
रस्तनि जे ख़राब हालतुनि बाबत		
स्कूल में संगीत जा साज़ घुराइण बाबत		

5. अण-ठहिकंदड़ लफ़्ज़ मथां गोलु पायो :

(i) किताबु, पेंसिल, कापी, दरवाज़ो

(ii) शागिर्दु, हेडमास्तरु, दुकानदारु, पटेवालो

(iii) अर्ज़ु, वेनिती, हुकुम, दरख़्वास्त

(iv) जाग्राफ़ी, इतिहास, विज्ञान, काग़ज़

6. ब्रेकेट मां सही लफ़्ज़ चूंडे ख़ाल भरियो :

(निमाणो, शिकायत, इनायत, किताबु)

अंजू पुलिस चौकीअ में वेई। हुन पुलिस अमलदार खे ..... अर्ज़ु कयो, जंहिं में हुन ..... कंदे लिखियो त हुन जे घर मां मशहूरु लेखक लियो टालिस्टाय जो ..... चोरी थी वियो आहे। पुलिस अमलदार हुन ते ..... कंदे तुर्त कार्रवाई कई।

7. ब्रेकेट में डि॒नल हिदायत मूजिबु ज़मान बदिलाए जुमिला वरी लिखो :

(i) राधा स्कूल वेई। (ज़मान हाल)

(ii) मूं हिकु रांदीको ख़रीद कयो। (ज़मान मुस्तक़बिल)

(iii) मुंहिंजे भाउ खे किताब पढ़ण जो शौंकु आहे। (ज़मान माज़ी)

(iv) मुंहिंजी मासी अमेरिका मां ईंदी। (ज़मान माज़ी)

8. हेठियुनि सिटुनि में लीक डि॒नल लफ़्ज़ खे ग्रामर मूजिबु सुञाणे लिखो :

(i) राजेश ईमानदार छोकिरो आहे।

(ii) असां वक़्त ते गाड़ी पकिड़ी।

(iii) सुभाणे मां मुम्बई वेंदुसि।

(iv) ज़िंदगीअ में सुख-दुख ईंदा रहंदा आहिनि।

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) (स)

   (ii) (अ)

   (iii) (ब)

   (iv) (अ)

नवां लफ़्ज़

- अर्ज़ु = वेनिती
- इनायत = महिरबानी
- अंदाज़ु = तादादु
- निमाणो = निवड़त वारो

11

इष्टदेव झूलेलाल

इष्ट देव झूलेलाल, जंहिं खे उड़ेरोलाल बि सड़ियो वेंदो आहे; उन्हीअ हिंदू धर्म जी रख्या लाइ सिंधु जे नसरपुर में जनमु वरितो ऐं ज़ुल्मी मिर्ख बादशाह खे पंहिंजियुनि लीलाउनि सां डेज़ारे समुझाए हिंदू मुस्लिम क़ौमी एकता ऐं अहिंसा जो संदेश ड़िनो। असीं हर साल झूलेलाल जी याद में चेटी चंड 'सिंधियत ड़ींहुं' करे ऐं पूज चालीहो साहिब जा पंजड़ा ग़ाए, 'जय झूलेलाल' जा नारा हणी उत्साह सां मल्हाईंदा आहियूं।

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- अलग़ अलग़ संवेदनशील मुद्दनि / विषयनि जहिड़ोकि जाती, धर्म, रंग, जिंस, रीतियुनि रस्मुनि जे बारे में ज़ुबानी रूप में पंहिंजी दलीली समुझ जो इज़हार कनि था;
- पढ़ियल/बुधल लोक कथाउनि जे बारे में चर्चा कनि था ऐं उन जी साराह कनि था;
- अलग़ अलग़ क़िस्मनि जूं रचनाऊं पढ़ी, ज़ुबानी ऐं लिखियल रूप में इज़हार कनि था।

11.1 बुनियादी सबक़ु

ग़ाल्हि अज़ु खां अटिकल 1000 साल अगु जी आहे। सिंधु जे ठटे शहर में मिर्खशाह नाले बादशाह राज़ु कंदो हो। हू ड़ाढो ज़ालिमु हो। संदसि अग़ियां मुला मौलवी पिया फिरंदा हुआ। उन्हनि जे भड़िकाइण ते हुन एलान कयो त राज़ जा सभु हिंदू पंहिंजो धर्म बदिलाए इस्लाम धर्म क़बूल कनि, न त हुकुम उदूली कंदड़नि खे सख़्त सज़ा ड़िनी वेंदी।

हिंदू डिना कीन। हुननि पंहिंजो धर्मु कीन मटायो। उन ते मिर्खशाह खे डाढी कावड़ि लगी। हुन प्रजा ते डाढा ज़ुल्म कया। सिंधु जा माण्हू जल देवता जा पूजारी हुआ। सुबूह शाम जल देवता ते अखो पाईंदा ऐं जोति बारींदा हुआ। सभेई सिंधूअ जे किनारे अची गडु थिया। बिना खाइण पीअण जे पंहिंजे देवता अगियां बाडाइण लगा। भगतनि जी पुकार बुधी भगवान जो मन पिघिरिजी वियो।

अचानक सिंधू दरियाह में तूफ़ान उथण लगो। वडियूं वडियूं छोलियूं लहिराइण लगियूं। लहिरुनि मथां पले ते सवार जल देवता प्रघटु थियो। उन वक़्ति आकाशवाणी थी, "जडहिं जडहिं धर्म लाइ ज़ुल्म वधी वञनि था, तडहिं तडहिं मां भगतनि जी रख्या लाइ अवतार वठंदो आहियां। मिर्खशाह जे पापनि जो दिलो भरिजी चुको आहे। मां नसरपुर में रतनराइ जे घर माता देवकीअ जे कुखि मां जनमु वठी रहियो आहियां।

सन् 951 ई. विक्रम संबत 1007 चेट जे चंड ते जुमे जे डींहुं हिक तेजस्वी बालक जनमु वरितो। संदसि नालो उदयचंद रखियो वियो। प्यार मां खेसि उडेरोलाल पिण कोठींदा हुआ। अगिते हली हू उडेरोलाल, झूलेलाल, दरियाह शाह, ज़िंदहपीर वग़ैरह नालनि सां पुकारियो वियो। इहा गाल्हि मिर्खशाह जे कननि ताईं पहुती। हुन पंहिंजे चालाक वज़ीर खे नसरपुर मोकिलियो। खेसि इहो बि हुकुम डिनाईं त बालक खे ख़तमु कराए छडे। बालक जी नूरानी शिकिल डिसी वज़ीर दंगि रहिजी वियो। हुन जी पेशानी चिमकी रही हुई। बाट जी सूंहं ते नूरु चिमकी रहियो हो। अचानक उहो बारु वधी जुवान थी पियो। हू नीरे घोड़े ते चढ़ी वज़ीर जे अगियां अची बीठो। एतिरे में ई उहो नौजुवान खेसि जल देवता जे रूप में पले ते सवारु डिसण में आयुसि।

बार जूं इहे अजीब लीलाऊं डिसी वज़ीरु डिजी वियो। हू गोडा खोड़े बालक जे साम्हूं वेही रहियो। चयाईं, ए ख़ुदा जा फ़रिश्ता! मां तुंहिंजो गुनहगार आहियां। मूंखे माफ़ करि। इन ते आवाज़ आयो, पंहिंजे हाकिम खे वञी चउ, प्रजा खे परेशान न करे, न त खेसि उनजो नतीजो भोगिणो पवंदो। उहो अज़िग़ैबी इसरार चइबो जो उहो बालक जल्दु ई जुवान थियो। हू सभिनी गुणनि सां भरपूर हो। हिक

डींहुं हू अकेलो मिर्खशाह जी दरबार में पहुतो। हुन खेसि प्रेम सां समुझायो त प्रजा ते जुल्म करण छडे डे। पर मिर्खशाह ते उन्हनि ग़ाल्हियुनि जो को बि असर कोन थियो। उल्टो हुन उडेरेलाल खे क़ैद करण जो हुकुम डिनो।

सिपाही उडेरेलाल खे पकड़ण लाइ अगिते वधिया। उडेरोलाल जल देवता जे रूप में प्रघटु थियो। चइनी पासे पाणी ई पाणी थी वियो। सिपाही पाणीअ में ग़ोता खाइण लगा। हिक पल में ई संदसि रूप बदिलिजी अग्नी देवता जो थी पियो। सजी दरबार धू धू करे सड़ण लगी। दईतनि जे अगियां जणु साख्यात काल भगवान नची रहियो हो। इहो डिसी मिर्खशाह पंहिंजनि दरबारियुनि सां अची पेश पियो ऐं पंहिंजे कए जी माफ़ी घुरियाईं। पोइ इहो प्रनु कयाईं त कंहिं खे बि परेशान कोन कंदुसि। उन खां पोइ हू संदसि पोइलग थी पियो।

964 ईस्वी सन् में ओचितो उडेरोलाल अंतरध्यान थी वियो। उन्हीअ जगह ते हिंदुनि मंदर ठहिरायो ऐं अखंड जोति बारी। बिए पासे मुसलमाननि मज़ार ठहिराई ऐं सजदो करण लगा। मुसलमान खेसि ज़िंदहपीर जे नाले सां याद कंदा आहिनि।

उडेरेलाल क़ौमी एकता जो मिसाल पेश कयो हो। हुन समाज मां नफ़रत, भेदभाव, ऊच नीच, छूति छाति वग़ैरह मिटाइण जे लाइ सभिनी खे समुझायो। उडेरेलाल जो जनमु डींहुं चेटी चंड जे डींहुं धामधूम सां मल्हायो वेंदो आहे। उन्हीअ डींहुं बहिराणा खंया वेंदा आहिनि, जलूस कढिया वेंदा आहिनि। शाम जो धूमधाम सां छेज, डौंका ऐं होजमालो जे नाचनि सां उडेरेलाल जी जोति खे जल में परवान कंदा आहिनि। उन डींहं ते इहा प्रार्थना कई वेंदी आहे त सभिनी पासे खुशहाली ऐं आसूदगी रहे। चइनी डिसाउनि में शांती, प्रेम ऐं भाइपी वधे। शाम जो कल्चरल प्रोग्राम पिण रखिया वेंदा आहिनि। चेटी चंडु हाणे सिर्फ़ धार्मिक डींहुं न रहियो आहे। हीउ डींहुं सिंधी सभ्यता, संस्कृती, सिंधी बोली ऐं सिंधी अदब जे रंगनि में रङिजी, समाज जी एकता ऐं बधीअ जी निशानी 'सिंधियत जो डींहुं' बणिजी पियो आहे।

11.2 अचो त समुझूं

चेटी चंडु असां सिंधियुनि जो मुख्य डिणु आहे। उन्हीअ डींहुं झूलेलाल जे सभिनी मंदरनि खे सींगारियो वेंदो आहे। आरती ऐं पंजड़ा गाया वेंदा आहिनि। हर जगह ते सुखो सेसा विरहाई वेंदी आहे। घणनि शहरनि में सरगसूं कढियूं वेंदियूं आहिनि, जिनि में बहिराणा ऐं बियूं झांकियूं शामिल हूंदियूं आहिनि। छेज पिण हंई वेंदी आहे। हरिको 'आयोलाल झूलेलाल' जा नारा हणंदो खुशि नज़र ईंदो आहे। इन्हीअ डींहं खां सिंधियुनि जे नएं साल जी शुरूआति थींदी आहे।

सबक़ बाबत सुवाल 11.1

1. ख़ाल भरियो :

(i) ग़ाल्हि अजु खां अटिकल ..... साल अगु जी आहे।

(ii) हुननि पंहिंजो ..... कोन मटायो।

(iii) ..... उडेरेलाल खे पकिड़ण लाइ अगिते वधिया।

(iv) 964 ई. में उडेरोलाल ओचितो ..... थी वियो।

2. सही (✓) या ग़लत (×) जा निशान लगायो :

(i) मिर्खशाह ड़ाढो ज़ालिमु हो। ( )

(ii) वज़ीरु बालक साम्हूं बीठो रहियो। ( )

(iii) बालक जो नालो उदयचंद रखियो वियो। ( )

(iv) उडेरेलाल क़ौमी एकता जो मिसाल पेश कयो। ( )

मशिगूलियूं 11.1

(1) उडेरेलाल बाबत पंज जुमिला लिखो।

(2) चेटी चंड बाबत पंज जुमिला लिखो।

तव्हीं छा सिखिया

- चेटी चंड उडेरेलाल जो जनमु डींहुं आहे।
- उडेरोलाल वरूण देव जो अवतार आहे।

- उड़ेरेलाल अहिंसा सां मिर्खशाह खे झुकायो।
- उड़ेरेलाल खे बि़यनि नालनि सां पिण सड़ियो वेंदो आहे।

वधीक ज़ाण

चेटी चंड खां सवाइ चालीहो साहिब, असू चंड, लाल लोई, तिरमूरी, गोगिड़ो, टीजिड़ी ऐं थधि ड़ी पिण असां सिंधियुनि जा ख़ासि ड़िण आहिनि।

सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

   (i) सिंधु जे ठटे शहर में केरु राजु कंदो हो?

   (ii) सिंधी माण्हू सुबूह शाम छा कंदा हुआ?

   (iii) उड़ेरेलाल किथे ऐं कड़हिं जनमु वरितो?

   (iv) वज़ीरु छो डिज़ी वियो?

2. ज़िद लिखो :

   (i) अगु (ii) उथणु

   (iii) साम्हूं (iv) गुनहगार

   (v) उलटो (vi) नफ़रत

3. हेठियां लफ़्ज़ कमि आणे जुमिला ठाहियो :

   (i) बादशाह (ii) तूफ़ान

   (iii) अजीबु (iv) ज़िंदहपीरु

4. साग़िए आवाज़ वारनि लफ़्ज़नि जो जोड़ा मिलायो :

मिसालु : राह	शाह
(i) डा॒ढो	शींहुं
(ii) छोलियूं	तोता
(iii) मथां	खल
(iv) गो़ता	वाढो
(v) पल	हथां
(iv) डीं॒हुं	बो॒लियूं

5. सबक़ मां गो॒ल्हे हिक लफ़्ज़ में जवाबु लिखो :

(i) पूजा॒ कंदड़ु

(ii) जेको जु़ल्म करे

(iii) अजब में विझंदड़

(iv) दरबा॒र में वेठल

6. तस्वीर सुञाणे जोड़ा मिलायो :

(i) मिर्खशाह

(ii) दरियाहु

(iii) झूलेलाल साईं

(iv) सिपाही

7. सही जवाब गोल्हे ख़ाल भरियो :

(i) गाल्हि अजु खां अटिकल ..... साल अगु जी आहे। (10, 100, 1000)

(ii) हुननि पंहिंजो ..... कीन मटायो। (कर्म, मर्म, धर्म)

(iii) अचानक सिंधू दरियाह में तूफ़ान ..... लगो। (विहण, उथण, सुम्हण)

(iv) हुन उडेरेलाल खे ..... जो हुकुम डिनो। (क़ैद करण, मारण, जलाइण)

(v) ..... उडेरेलाल जो जनमु डींहुं आहे।

(सांवणी चंडु, फागुणी चंडु, चेटी चंडु)

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) 1000 (ii) धर्मु
   (iii) सिपाही (iv) अंतरध्यान
2. (i) ✓ (ii) ×
   (iii) ✓ (iv) ✓

नवां लफ़्ज़

- बादशाहु = शाहु, तख़्त जो मालिकु, सुल्तान, राजा
- अचानक = उमालक, ओचितो
- लीलाऊं = इसरारी रांदियूं, जादुई क्रियाऊं
- फ़रिश्तो = देवदूत, परोपकारी
- अजिग़ैबी = गुझो, गुप्त, अजब जहिड़ो

- ज़ालिमु = बेरहम, कठोर इंसान
- पेश पवणु = आणि मञणु
- जुलूस = सरगसि, मुख्य रस्तनि तां लंघण जी क्रिया
- हुकुम उदूली करणु = हुकुम जी पोइवारी न करणु

12

कंहिंजो आवाज़ आ?

हिन कवीता में कवी आवाज़नि जे राज़ बाबत बुधाए रहियो आहे। पखियुनि जो, तारनि जो, बादलनि जो, समुंड जो। सभिनी जो पंहिंजो हिकु आवाज़ हूंदो आहे। असीं बुधी सघूं या न बुधी सघूं, हीअ समूरी सृष्टी आवाज़नि सां भरियल आहे। कवी चवे थो त सभिनी जो हिकु आवाज़ आहे, पर हिननि आवाज़नि जे पुठियां कंहिंजो आवाज़ आहे?

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- कंहिं तस्वीर या नज़ारे खे ड्रिसण बइदि पंहिंजे आज़मूदे खे पंहिंजे ढंग सां ज़बानी या इशारनि जी भाषा में ज़ाहिर कनि था;
- भाषा जे बारीकियुनि / बंदोबस्त ऐं नवनि लफ़्ज़नि जो इस्तेमाल कनि था। जीअं त कंहिं कवीता में कमि आंदल लफ़्ज़, फ़ुकिरनि वग़ैरह जो इस्तेमाल;
- सरसरी तौर कंहिं दर्सी मवाद खे पढ़ी, उन जी उपयोगिता जे बारे में बुधाइनि था।

12.1 बुनियादी सबक़ु

कंहिंजो आवाज़ आ?

सागर जे लहिरुनि में,
बादल जे चीख़ुनि में,
कोयल जे कूकुनि में;

कंहिंजो आवाज़ आ?
कंहिंजो आवाज़ आ।

ब़ारनि जे ब़ोलियुनि में,
ममता जे छोलियुनि में,
जीजल जे लोलियुनि में;

कंहिंजो ही साज़ु आ?
कंहिंजो आवाज़ आ।

छेरियुनि जी छम छम में,
वरखा जी रिम झिम में,
तारनि जी टिम टिम में;

कंहिंजो ही नियाज़ु आ?
कंहिंजो आवाज़ आ।

पंछियुनि जे लातियुनि में,
सांवण जे रातियुनि में,
फूलनि जे जातियुनि में;

कंहिंजो ही राज़ु आ?
कंहिंजो आवाज़ आ।

– वासदेव 'निर्मल'

12.2 अचो त समुझूं

हीउ कंहिंजो आवाज़ आहे? समुंड जूं लहिरूं बि कुझु चई रहियूं आहिनि। बादल गजगोड़ करे बरसात बाबत ज़ाण ॾेई रहिया आहिनि। कोयल बि बाग़ में कूक करे कंहिंखे सॾु करे रही आहे। हिननि सभिनी आवाज़नि जे पुठियां केरु आहे? हीउ कंहिंजो आवाज़ आहे?

नंढिड़नि ब़ारनि जे ब़ातियुनि याने हुननि जा न समुझ में अचण वारा लफ़्ज़ ब़ुधी माउ जे मन में ममता जूं लहिरूं जाग़ी उथंदियूं आहिनि ऐं हूअ ब़ार खे भाकुर पाए प्रेम कंदी आहे। इन्हनि सभिनी जे पुठियां आख़िर कंहिंजो आवाज़ आहे?

जॾहिं छेज़ हणी नचंदा आहियूं त घुंघरुनि जी छम छम थींदी आहे। जॾहिं बरसात ईंदी आहे त रिम झिम जो आवाज़ ब़ुधंदा आहियूं। रात जो आसमान में तारा टिमटिम कंदा आहिनि त कवी चवे थो इन्हनि सभिनी आवाज़नि जे पुठियां कहिड़ो नियाज़मंदु आहे, जंहिंजो हीउ आवाज़ आहे?

पखी अलग़ अलग़ आवाज़नि में हिक ब़िए सां ग़ाल्हाईंदा आहिनि। उन्हनि जे ब़ोलियुनि में, सांवण महीने जे रातियुनि में, जुदा जुदा गुलनि जे क़िस्मनि में कहिड़ो राज़ु लिकलु आहे? इनजे पुठियां केरु आहे, जेको दृश्य में अदृश्य आहे। याने जेको आहे त सहीं, पर ड़िसण में नथो अचे। जंहिंजो आवाज़ सभिनी आवाज़नि जे पुठियां लिकलु आहे।

सबक़ बाबत सुवाल 12.1

ख़ाल भरियो :

1. जॾहिं ..... हणी नचंदा आहियूं त घुंघरुनि जी ..... थींदी आहे।

2. पखी अलग़ अलग़ ..... में हिक ब़िए सां ग़ाल्हाईंदा आहिनि।

3. ..... महीने जे रातियुनि में जुदा जुदा ..... जे क़िस्मनि में राज़ु लिकलु आहे।

मशिगूलियूं 12.1

(1) जुदा जुदा पखियुनि जा नाला लिखो।

(2) नृत्य करण वक़्ति नृत्यकार कहिड़ा कहिड़ा ग़हिणा पाईंदा आहिनि? तिनि जा नाला लिखो।

तव्हीं छा सिखिया

- बरसात जी ज़रूरत केतिरी आहे, इहो सिखिया।
- हर पखीअ जो अलग़ आवाज़ आहे, इहो बि समुझ में आयो।
- लफ़्ज़नि जी लय कीअं ठहंदी आहे? इहो बि सिखिया।

वधीक ज़ाण

(1) इंसानी कन सिर्फ़ 20 हर्ट्ज़ खां 20000 हर्ट्ज़ ताईं जा आवाज़ बुधी सघनि था, पर कुझु जानवर हिन खां सूख्यम आवाज़ बि बुधी सघनि था।

(2) केतिरा ई आवाज़ आहिनि, जिनि खे असीं नथा बुधी सघूं त इन्हीअ जो मतलब इहो बिलकुल कोन्हे त हुननि जो वजूद कोन्हे। उहे आहिनि, पर इंसानी कन नथा बुधी सघनि।

(3) जड़हिं असीं शांत हूंदा आहियूं, तड़हिं असीं कुदिरत खे बुधी सघूं था।

(4) बोलियुनि, छोलियुनि ऐं लोलियुनि में पुनुरुक्ति प्रकाश अलंकार आहे। इन्हीअ सां हिक लय पैदा थींदी आहे।

(5) पखियुनि जी बोलीअ खे लातियूं चवंदा आहिनि।

सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. ब्रेकेट मां सही जवाब गोल्हियो :

(i) फूलनि (कंडनि, वणनि, झंगनि, गुलनि)

(ii) जीजल (पीउ, मामो, माउ, चाची)

(iii) कूकुनि (रड़ि, कोयल जी कूक, शोर, वाको)

(iv) रातियुनि (रात, डींहं, उस, शाम)

(v) लहिरुनि (गजगोड़, सागर जूं लहिरूं, टिम टिम, बरसात)

2. जोड़ा मिलायो :

(i) रात	(अ) लोलियुनि
(ii) लहिरूं	(ब) रातियुनि
(iii) जात	(स) जातियुनि
(iv) लोली	(द) लहिरुनि

3. मिसाल मूजिबु ख़ाल भरियो :

मिसाल : आवाज़ राज़ नाज़

(i) हार ....

(ii) वर ....

(iii) वीर ....

(iv) मोर ....

4. हेठियां लफ़्ज़ ग्रामर मूजिबु सुञाणो :

(i) मां (ii) सुठो

(iii) शाबास! (iv) अगियां

5. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

(i) कवीअ जो इशारो कहिड़े आवाज़ डांहुं आहे?

(ii) सागर, बादल ऐं कोयल जे आवाज़ में कहिड़ो फ़र्क़ु आहे?

(iii) 'कंहिंजो आवाज़ आ' कवीअ जो छा मकसद आहे?

(iv) सांवण जो महीनो छो मशहूरु आहे?

(v) 'साजु़' लफ़्ज़ जी माना कहिड़ी आहे?

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. छेज़, छमछम
2. आवाज़नि
3. सांवण, गुलनि

नवां लफ़्ज़

- टिम टिम = तारनि जो टिमकणु
- नियाज़ = नम्रता
- नियाज़मंद = नम्रता वारो
- पुजाए = पूरो करे
- शख़्सी = निजी, पंहिंजो
- अदृश्य = जेको डि़सण में नथो अचे
- रहस्य = राज़
- अनासर = तत्व
- लातियूं = पखियुनि जूं बोलियूं
- सुञाणप = पहचान
- दृश्य = जेको डि़सण में अचे थो

13

ग्लोबल वार्मिंग

असांजो पर्यावरण हिन वक़्ति हिक गंभीर दौर मां गुज़िरी रहियो आहे। तमाम तेज़ीअ सां वधंदड़ कारख़ाननि, आदम जी वाधि ऐं वधंदड़ प्रदूषण जे कारण उन जो असर असांजे जीवन ते पइजी रहियो आहे। इहो असर कंहिं बि हिक कारण करे न बल्कि केतिरनि कारणनि करे थी रहियो आहे। उन्हनि कारणनि में के क़ुदरती आहिनि त के असां जे ग़लतियुनि जा नतीजा आहिनि। उन्हनि कारणनि खे ध्यान में रखी असां खे सुजाग़ रहण जी ज़रूरत आहे।

सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- पर्यावरण जे बचाव लाइ थींदड़ कोशिशुनि खे समुझी सघनि था;
- जेके कोशिशूं इंसान ज़ात लाइ ज़रूरी आहिनि, तिनि में सहयोग डे़ई सघनि था।

13.1 बुनियादी सबक़ु

होलीअ जा डी़ंहं हुआ। ब़ार होलीअ जे रंग में रतल हुआ। सज़ो डी़ंहुं हिक ब़िए खे रंग हणी वांदा थी घिटीअ जे मैदान में अची गड़ु थिया। हू पाण में ग़ाल्हियूं बि करे रहिया हुआ त हिक ब़िए सां खिल मज़ाक बि करे रहिया हुआ। मनन जो मामो मोरारीलाल बि अची पहुतो। सभु ब़ार खेसि सुञाणंदा हुआ। हू ब़िनि टिनि डी़ंहंनि खां हिते ई हो। हू भोपाल में रहंदो हो ऐं हिननि डी़ंहंनि में हिते घुमण ईंदो हो।

काल्ह रात जो हुन बारनि खे पर्यावरण बाबत केतिरियूं गाल्हियूं बुधायूं हुयूं। अजु मामो आयो मस त निधीअ चयो, ''मां काल्ह खां सोचियां वेठी त तव्हां खां ग्लोबल वार्मिंग बाबत पुछां। इहो लफ़्ज़ु अजु काल्ह घणो बुधण में ईंदो आहे।''

बियनि बारनि बि चयो, ''हा मामा, इन्हीअ बारे में असां खे विस्तार सां बुधायो।''

मामा : हा ज़रूरु! अजु काल्ह अख़बारुनि में ऐं टी.वी. ते इन्हीअ बारे में चर्चा थींदी रहंदी आहे। छो त हिन वक़्ति इहो चिंता जो विषय बणिजी वियो आहे। इहो विषय असांजे अजु जे जीवन ऐं भविष्य सां वास्तो रखे थो। घणनि इहो लफ़्ज़ु बुधो त आहे, पर इन्हीअ बाबत घणो कुझु नथा जाणनि। ग्लोबल वार्मिंग माना आलमी सतह ते वधंदड़ु गर्मी पद। इन खे 'वैश्विक तापमान' पिण चयो वेंदो आहे।

लवीन : मामाजी, इहो असांजे जीवन सां कीअं थो वास्तो रखे?

मामा : सजी दुनिया क़ुदरती आफ़तुनि जो मुक़ाबिलो करे रही आहे। किथे किथे ख़ूब बरसात त किथे सोक, किथे तूफ़ान त किथे सख़्तु गर्मी। किथे झंगल में बाहि लगण जूं बि घटनाऊं थियनि थियूं। इन्हनि सभिनी घटनाउनि जो मुख्य कारण पृथ्वीअ ते तेज़ीअ सां वधंदड़ गर्मी पद आहे। तव्हां बुधो हूंदो त कड़हिं बिना मौसम जे ओचितो तेज़ बरसात वसे थी त कड़हिं वधीक बरसात जे करे असांजी पोख खे नुक़सान थींदो आहे। आबहवा जी हीअ फेरफारि असांजे चिंता जो विषय बणिजी वेई आहे। सजी दुनिया में आबहवा में लगातार थींदड़ वाधि करे तूफ़ान, बोड़ि, लू (लुक) जहिड़नि ख़तिरनि जो डपु वधंदो रहे थो।

यश : त इन वधंदड़ गर्मी पद लाइ कंहिं खे जवाबदार चई थो सघिजे?

मामो : (खिली करे) इन लाइ जवाबदार त असां पाण आहियूं।

यश : उहो कीअं?

मामो : आदम जी तकिड़ी वाधि सां असां जा मसइला बि वधनि था, इहो सुभावीक आहे। आदमशुमारी वधण सां वाहण बि वधनि था, कारख़ाना बि वधनि था। घरनि में एयर कंडीशनरनि जो वाहिपो बि वधे थो। वधंदड़ आदमशुमारीअ लाइ वधीक अनाज, भाजियूं, फल ऐं बियूं ज़रूरी शयूं ज़रूरु घुरिजनि।

यश : त इन्हनि सभिनी जो वातावरण ते कीअं थो असर थिए?

लवीन : इन जो जवाबु मां डियां?

मामो : हा, बिलाशक।

लवीन : मूं किथे पढ़ियो आहे त इन्हीअ वधंदड़ तापमान लाइ के गाल्हियूं जवाबदार आहिनि।

(1) वाहणनि जो वधीक उपयोग (2) एयर कंडीशनर (3) वणनि जो ख़ातिमो (4) कारख़ाननि जो विकास (5) खेती ऐं (6) वधंदड़ आदमशुमारी।

मामो : शाबास! तो थोरे में सही बुधायो आहे पर मां विस्तार सां थो समुझायां। ठीक आहे? वाहण असांजी सहूलियत लाइ आहिनि, पर ग्लोबल वार्मिंग जो मुख्य कारण बि आहिनि। वाहणनि जे दूंहें करे गर्मी पद में वाधि थिए थी। एयर कंडीशनर असां खे ठंडक डियनि था, पर बाहिर जे वातावरण में गर्मीअ खे फहिलाईनि था। वण ऑक्सीजन डेई पर्यावरण खे महफ़ूज़ रखनि था। पर माण्हू उन्हनि खे नास कंदा था रहनि। कारख़ाननि वारी एराज़ीअ में कलूं कारख़ाना असांजी पैदावार खे वधाइण जो कमु कनि था, पर कारख़ाननि जूं चिमनियूं हवा खे दूंहें ज़रीए नुकसान पहुचाईनि थियूं। खेतीअ जे खेतर में जेके कोशिशूं थियनि थियूं, से कॉर्बन डाय ऑक्साईड ऐं मीथेन वधाए पर्यावरण खे नुकसान पहुचाईनि थियूं। आदम जी वाधि बाबत त तव्हां सभु जाणो था।

मामे जी गाल्हि पूरी थी त सभिनी बारनि ताड़ियूं वजायूं।

मामे खेनि अगिते बुधायो त असां सभु पृथ्वी ऐं पंहिंजी हस्तीअ खे बचाइणु चाहियूं था, पाण खे ग्लोबल वार्मिंग खे समुझिणो पवंदो ऐं उन खे रोकण लाइ के न के क़दम खणिणा पवंदा। अहिड़ियुनि गाल्हियुनि खां जेकड़हिं पाण अणजाण रहंदासीं ऐं ठोस क़दम न खणंदासीं त उनजा गंभीर नतीजा भोगिणा पवंदा।

13.2 अचो त समुझूं

ग्लोबल वार्मिंग हिकु विश्व व्यापी मसइलो आहे, जंहिं जे असरनि खां बचण लाइ आलमी सतह ते कोशिशूं थी रहियूं आहिनि। उन्हनि कोशिशुनि खे समुझण जी ज़रूरत आहे। प्रदूषण खे दूर करण लाइ जेके गाल्हियूं असां जे वस में हुजनि, से करणु घुरिजनि। इएं करण सां हिन बरंदड़ मसइले खे दूर करण लाइ पंहिंजे वस आहर पंहिंजो योगदान डेई सघूं था।

हिन सबक़ में ग्लोबल वार्मिंग जी समुझाणी डिनी वेई आहे। ग्लोबल वार्मिंग सजी पृथ्वीअ सां

वास्तो रखंदड़ु हिकु गंभीर मसइलो आहे। इन्हीअ बारे में असांजी सुजाग़ी बेहद ज़रूरी आहे। ग्लोबल वार्मिंग जी समुझाणी ड़ियण लाइ हिति गुफ़्तगू जो तरीको कमि आंदो वियो आहे। इन बारे में मामे मोरालीलाल ऐं ब़ारनि जे विच में ग़ाल्हि ब़ोल्हि थिए थी। मामे ब़ारनि जे पुछियल सुवालनि जा जवाब ड़ेई हर ग़ाल्हि खे समुझायो आहे। आलमी सतह ते तेज़ रफ़्तार सां वधंदड़ गर्मीअ करे केतिरियूं क़ुदरती आफ़तूं थियनि थियूं। उहे कहिड़े कारण थियनि थियूं, इन बाबत हिन सबक़ में चर्चा कई वेई आहे। इंसान ज़ात खे इन्हीअ बारे में सावधान रहण जी ज़रूरत आहे।

सबक़ बाबत सुवाल 13.1

1. सही जवाब चूंडे ख़ाल भरियो :

(i) मोरारीलाल ..... जो मामो हो-

(अ) यश (ब) मनन (स) लवीन

(ii) ग्लोबल वार्मिंग माना आलमी सतह ते वधंदड़ ..... -

(अ) बरसात (ब) थधि (स) गर्मी पद

(iii) ..... जी हीअ फेरफारि असांजे चिंता जो विषय बणिजी वेई आहे-

(अ) आबहवा (ब) पाणीअ (स) खाधे

मश्गिगूलियूं 13.1

(1) असांजे जीवन सां वास्तो रखंदड़ घटनाउनि जी ज़ाण हासिल करण लाइ अख़बार पढ़ण जी आदत विझो।

(2) वड़ुनि सां ग्लोबल वार्मिंग बाबत ग़ाल्हि ब़ोल्हि करियो।

(3) के अहम लग़ंदड़ ग़ाल्हियूं हिक नोट बुक या डायरीअ में नोट करियो।

तव्हीं छा सिखिया

- ग्लोबल वार्मिंग हिन वक़्त जो अहिड़ो मसइलो आहे, जंहिं जो असरु असांजे जीवन ते पइजी रहियो आहे।
- ग्लोबल वार्मिंग खे रोकण लाइ सरकार ऐं ब्रियुनि संस्थाउनि तरफ़ां काफ़ी कोशिशूं थी रहियूं आहिनि।
- ग्लोबल वार्मिंग करे पृथ्वीअ ते किथे ज़बरदस्त बरसात त किथे तूफ़ान वग़ैरह थियनि था।
- आबहवा जी हीअ तकिड़ी फेरफारि असांजे चिंता जो विषय बणिजी वेई आहे।

वधीक ज्राण

पर्यावरण खे जिनि शयुनि मां नुकसान थींदो आहे, तिनि शयुनि जे इस्तेमाल खे घटाइण लाइ थींदड़ कोशिशुनि खे 'ईको फ्रेंडली' चइजे थो। मिसाल तौर खाइण पीअण जे जिनि शयुनि जा बॉक्स या पैकेट बाज़ार मां घुराया वञनि था, तिनि खे फिटी करण बजाय उन्हनि मां सजावट जूं चीज़ूं ठाहे सघिजनि थियूं। झूनियुनि अख़बारुनि खे फिटी करण बदिरां पने जूं थेल्हियूं ठाहे सघिजनि थियूं। पेपर बैग या कार्ड बोर्ड मां पर्यावरण खे नुकसान न पहुचे, अहिड़ियूं चीज़ू ठाहे सघिजनि थियूं।

प्लास्टिक असां लाइ नुकसानकार आहे। प्लास्टिक जूं थेल्हियूं ठाहिण लाइ उन में के कीमियाई (रसायन) पदार्थ मिलाया वञनि था, जिनि जे करे घणियूं बीमारियूं थी सघनि थियूं। उहे माण्हुनि ते त असर कनि ई थियूं, पर पसुनि पखियुनि ऐं वणनि ते बि असर कनि थियूं।

प्लास्टिक अहिड़ी शइ आहे, जेका कड़ुहिं बि नासु नथी थिए। सालनि ताईं जीअं जो तीअं रहे थी। प्लास्टिक खे फिटो कयो वञे, ज़मीन में पूरियो वञे, जलायो वञे, पाणीअ में उछिलियो वञे, त बि उहा सभिनी लाइ नुकसानकार साबित थिए थी। इन करे पर्यावरण जी रक्षा लाइ प्लास्टिक जो वाहिपो बंद करणु घुरिजे।

सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. सही जवाब चूंडे ब्रेकेट में लिखो :

(i) ब़ार गड़ु थिया हुआ–

(अ) घर में (ब) मैदान में

(स) स्कूल में ( )

(ii) मामो मोरारीलाल रहंदो हो–

(अ) भोपाल (ब) अजमेर

(स) दिल्ली ( )

(iii) मामे रात जो ब़ारनि खे छा बाबत ग़ाल्हियूं ब़ुधायूं हुयूं?

(अ) टी.वी.अ (ब) ड़िणनि

(स) पर्यावरण ( )

(iv) सज़ी दुनिया कहिड़ियुनि मुशिकलातुनि जो मुकाबिलो करे रही आहे?

(अ) इंसानी (ब) कुदरती

(स) बाज़ारी ( )

(v) वाहणनि जे दूंहें करे छा में वाधि थिए थी?

(अ) थधि (ब) बरसात

(स) गर्मी पद ( )

2. ब्रेकेट मां सही जवाब चूंडे हेठियां ख़ाल भरियो :

(असां पाण, ऑक्सीजन, उत्पादन, बाहि)

(i) झंगल में ..... लग़ण जूं घटनाऊं थियनि थियूं।

(ii) वधंदड़ गर्मी पद लाइ जवाबदार ..... आहियूं।

(iii) वण ..... डे़ई पर्यावरण खे महफ़ूज़ रखनि था।

(iv) कलूं कारख़ाना असांजे ..... खे वधाइण जो कमु कनि था।

3. सही जवाब ठाहे लिखो :

(i) डि़यारीअ / होलीअ जा डीं़हं हुआ।

(ii) बा़र हिक बि़ए सां झगि़ड़ो / खिल-मज़ाक करे रहिया हुआ।

(iii) कारख़ाननि जूं मशीनूं / चिमनियूं दूंहें ज़रीए नुक़सान पहुचाईनि थियूं।

(iv) मामे जी ग़ाल्हि पूरी थी त सभिनी बा़रनि ताड़ियूं वज़ायूं / मिठायूं खाधियूं।

4. हेठि डि़नल लफ़्ज़ जुमिले में कमि आणियो :

(i) विस्तार (ii) चर्चा (iii) घटना

(iv) तेज़ (v) वाहिपो

5. हिदायत मूजिबु ज़मान मटायो :

(i) हिकिड़े बादल मां ब़ बूंदूं हेठि किरियूं। (ज़मान माज़ी बईद)

(ii) हिंदुनि पंहिंजो धर्म कोन मटायो। (ज़मान मुस्तक़बिल)

(iii) राजा हरीशचंद्र हमेशह सचु ग़ाल्हाईंदो हो। (ज़मान हाल)

(iv) असां पंहिंजा फ़र्ज़ पूरा कया आहिनि। (ज़मान हाल इस्तमुरारी)

(v) वण पोखण सां हवा साफ़ थी रही आहे। (ज़मान हाल बईद)

सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) (ब)

   (ii) (स)

   (iii) (अ)

नवां लफ़्ज़

- ग्लोबल = आलमी, दुनिया भरि जो, पृथ्वीअ जो
- वार्मिंग = वधंदड़ गर्मी पद, सख़्त गर्मी
- चर्चा = बहस, ग़ाल्हि बोल्हि
- आफ़त = आपदा, मुसीबत,
- सोक = सुक, बरसात न पवण जी हालत
- महफ़ूज़ = सही सलामत
- एराज़ी = पखेड़, विस्तार
- हस्ती = वजूद
- ठोस = सख़्तु

दर्जो 7

सबक़ जे आधार ते मार्कुनि जी विरहासत

सबकु नं.	सिरो (सिंफ़)	पढ़ाईअ जा कलाक	मुल्हि मापण लाइ तय कयल मार्कूं
1.	सेवा	7	8
2.	नेक अंदेशी	7	7
3.	नीरज जी कामियाबी	6	8
4.	जीअणु छा जे वास्ते?	6	6
5.	प्रजापति	6	9
6.	अंध श्रद्धा	8	7
7.	जोकर	8	8
8.	शहीद प्रेम रामचंदाणी	9	8
9.	टे नंढिड़ियूं आखाणियूं	9	7
10.	ख़तु	8	8
11.	इष्टदेव झूलेलाल	8	7
12.	कंहिंजो आवाज़ आ?	9	8
13.	ग्लोबल वार्मिंग	9	9
	कुल	100	100

सबक़नि ते तव्हांजो रदअमल

पहिरियों मोड़ु

सबक़ नम्बर	सबक़ जो नालो	पढ़ियल सामग्री		भाषा		कहाणी सामग्री रोज़ानी हयातीअ सां वास्तेदार आहे		तस्वीरूं		मशिग़ूलियूं		तव्हीं छा सिख्या		
		सवली	डुखी	सवली	डुखी	हा	डुखी	उपयोगी	वणंदड़ पर उपयोगी नाहिन	वणंदड़ ऐं उपयोगी	वणंदड़ पर उपयोगी न	अण-उपयोगी	तमाम उपयोगी	कुझ उपयोगी
1.	सेवा													
2.	नेक अंदेशी													
3.	नीरज जी कामियाबी													
4.	जीअणु छा जे वास्ते?													
5.	प्रजापति													
6.	अंध श्रद्धा													
7.	जोकर													
8.	शहीद प्रेम रामचंदाणी													
9.	टे नंढिड़ियूं आखाणियूं													
10.	ख़तु													
11.	इष्टदेव झूलेलाल													
12.	कंहिंजो आवाज़ आ?													
13.	ग्लोबल वार्मिंग													

चोथों मोड़ु

टियों मोड़ु

प्यारा शागिर्द,

उमेद आहे त मुक्त बेसिक शिक्षा जी हीअ सामग्री पढ़ी तव्हांखे आनंद आयो हूंदो। असां पढ़ण जी सामग्रीअ खे वक़्ताइतो उपयोगी ऐं वणंदड़ु बणाइण जी पूरी कोशिश कई आहे। हिननि सबक़नि ज़रीए तव्हांजे हयातीअ जी क़ाबिलियत वधाइण जी कोशिश कई वेई आहे। सबक़ सां गडु ऐं सबक़ जे पछाड़ीअ जा सुवाल इनकरे ई डिना विया आहिनि, जीअं तव्हां विषय खे समुझी रोज़ानी हयातीअ में उनजो इस्तेमालु करे सघो।

तव्हांजे रदअमल जे आधार ते असीं इन में सुधारो कंदासीं। क़ुर्बु करे, कुझु वक़्तु कढी, हीउ फार्म भरे करे असांखे मोकिलियो। तव्हांजे सहकार लाइ शुक्राना।

तइलीमी आफ़ीसर (सिंधी)

बियों मोड़ु

आख़िरी मोड़ु ऐं बंदि करियो

अजु ई पूरो भरे, हिन ख़ाके खे टपाल रस्ते मोकिले डियो

अव्हांजा राया

छा अव्हां सिंधीअ जो को ब॒ियो किताब पढ़ियो आहे? हा / न

जेकड॒हिं हा, त उन बाबति कुझु लिखो–

नालो :

रोल नम्बर :

ऐड्रेस :

विषय :

किताब नम्बर :

टपाल टिकिली

शैक्षिक अधिकारी
सिंधी
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
ए–24–25, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
सेक्टर–62, नोएडा (उत्तर प्रदेश)
पिन– 201309

हिन सां लग॒ल स्वीकार कोन्हें